दैनिक छत्तीसगढ़ गौरव

डाक पंजीयन क्रमांक :जी2-112/सी.जी/बी.एल.पी./032/ 2023-2026 website:- chhattisgarhgaurav.in

इंदौर स्वीट्स

नमकीन और मिठाईयों की लंबी श्रृंखला के बाद अब केशर कुल्फी और दही कचौड़ी

हमारा विश्वास हैं

एक बार खायेगें, बार-बार आयेगें...

पावर हाऊस रोड, कोरबा
फोन-222833,222733

वर्ष 25 अंक 274 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रूपये | मंगलवार 06 जनवरी 2026 | डाक- बुधवार 07 जनवरी 2026 | chhattisgarhgaurav@rediffmail.com

प्रथमेश

नशा मुक्ति केंद्र में आग लगने से 6 लोगों की मौत

काहिरा। मिस्र की राजधानी काहिरा के उत्तर में कल्यूबिया प्रांत में एक नशा मुक्ति केंद्र में आग लगने से छह लोगों की मौत हो गई और सात अन्य घायल हो गए। सरकारी मीडिया ने यह जानकारी दी है। सरकारी अखबार अल-योम ने बताया कि सूचना मिलने पर सुरक्षा बल और नागरिक सुरक्षा इकाई दमकल और एम्बुलेंस की मदद से बेन्हा शहर में घटनास्थल पर पहुंचे। रिपोर्ट में कहा गया है कि दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। अधिकारियों ने आग लगने के कारणों का पता लगाने के लिए फोरेंसिक जांच का आदेश दिया है।

'मोदी-शाह तेरी कब्र खुदेगी'..., जेएनयू में उमर खालिद और शरजील इमाम के समर्थन में नारेबाजी

नई दिल्ली ,06 जनवरी (एजेंसी)। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) एक बार फिर विवादों में घिर गया है। विश्वविद्यालय परिसर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ आपत्तिजनक नारेबाजी का मामला सामने आया है। यह नारेबाजी दिल्ली दंगों के आरोपी उमर खालिद और देशद्रोह के आरोपी शरजील इमाम के समर्थन में की गई।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह घटना रात के समय साबरमती हॉस्टल के बाहर हुई। इस दौरान वामपंथी छात्र संगठनों से जुड़े छात्रों ने प्रदर्शन किया और 'मोदी-शाह तेरी कब्र खुदेगी', 'अंबानी राज की कब्र खुदेगी, जेएनयू की धरती पर' और 'अडानी की कब्र खुदेगी, जेएनयू की धरती पर' जैसे नारे लगाए, जिसके बाद विवाद और गहरा गया।

बताया जा रहा है कि यह प्रदर्शन सुप्रीम कोर्ट द्वारा उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत याचिका खारिज किए जाने के विरोध में किया गया। प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ भी नारेबाजी की। गौरतलब है कि शरजील इमाम पर देशद्रोह का मामला दर्ज है। उस पर कथित तौर पर 'चिकन नेक' काटकर पूर्वोत्तर भारत को देश से अलग करने की बात कहने का आरोप है। वहीं, उमर खालिद पर वर्ष 2020 के दिल्ली दंगों की साजिश में शामिल होने का मामला चल रहा है।

सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि अभियोजन पक्ष के साक्ष्यों से यह संकेत मिलता है कि उमर खालिद और शरजील इमाम दिल्ली दंगों की साजिश रचने, लोगों को लामबंद करने और रणनीतिक दिशा-निर्देश देने में शामिल थे। इसके बाद अदालत ने दोनों की जमानत याचिका खारिज कर दी थी।

जेएनयू में हुई नारेबाजी पर बीजेपी नेताओं की कड़ी प्रतिक्रिया सामने आई है। मंत्री कपिल मिश्रा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कहा कि जब नक्सलियों, आतंकियों और दंगाइयों के खिलाफ कार्रवाई हो रही है, तो उनके समर्थक बौखलाए हुए हैं। वहीं, बीजेपी नेता मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि यह पूरी तरह गलत है। उन्होंने कहा कि पहले देशविरोधी गतिविधियां की जाती हैं और फिर उनके समर्थन में इस तरह के नारे लगाए जाते हैं। ऐसे लोगों और नारेबाजी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि छह इससे पहले भी कई बार विवादों में रहा है। विश्वविद्यालय परिसर में पूर्व में भी आपत्तिजनक नारेबाजी और विरोध प्रदर्शनों की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। साबरमती हॉस्टल के बाहर हुई यह घटना एक बार फिर जेएनयू को सुर्खियों में ले आई है।

रक्षा मंत्री ने राष्ट्र को समर्पित किया देश का पहला स्वदेशी प्रदूषण नियंत्रण पोत 'समुद्र प्रताप'

नई दिल्ली,06 जनवरी (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पोत निर्माण और समुद्री क्षमताओं के विकास में आत्मनिर्भरता की दिशा में देश की बड़ी उपलब्धि के रूप में सोमवार को गोवा में पहला स्वदेशी प्रदूषण नियंत्रण पोत 'समुद्र प्रताप' राष्ट्र को समर्पित किया। भारतीय तटरक्षक के इस पोत को गोवा शिपयार्ड लिमिटेड ने बनाया है। लगभग 60 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री के साथ समुद्र प्रताप भारत का पहला स्वदेशी रूप से डिज़ाइन किया गया प्रदूषण नियंत्रण पोत है और तटरक्षक बल के बेड़े का सबसे बड़ा जहाज है।

समुद्र प्रताप के शामिल होने से प्रदूषण नियंत्रण, अग्निशमन, समुद्री सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण में भारतीय तटरक्षक बल की परिचालन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। साथ ही यह भारत के विस्तृत समुद्री क्षेत्रों में दीर्घकालिक निगरानी और त्वरित प्रतिक्रिया अभियानों को सशक्त बनाएगा। रक्षा मंत्री ने इस पोत को भारत के परिपक्व रक्षा औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र का प्रतीक बताया जो जटिल विनिर्माण चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपटने में सक्षम है। उन्होंने कहा समुद्री पोत में स्वदेशी सामग्री को 90 प्रतिशत तक बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। राजनाथ सिंह ने कहा कि समुद्र प्रताप को विशेष रूप से प्रदूषण नियंत्रण के लिए डिज़ाइन किया गया है, लेकिन इसकी भूमिका केवल यहीं तक सीमित नहीं है। एक ही मंच पर कई क्षमताओं के एकीकरण से यह पोत तटीय गश्त में भी प्रभावी सिद्ध होगा तथा समुद्री सुरक्षा को और मजबूत करेगा। रक्षा मंत्री ने समुद्री प्रदूषण नियंत्रण से लेकर तटीय स्वच्छता, खोज एवं बचाव कार्यों से लेकर समुद्री कानून प्रवर्तन तक भारतीय तटरक्षक बल की बहुआयामी भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा कि तटरक्षक बल जिस प्रकार अपने दायित्वों का निर्वहन कर रहा है उससे देश के शत्रुओं को स्पष्ट संदेश गया है कि यदि उन्होंने भारत की समुद्री सीमाओं पर बुरी नज़र डाली या किसी भी प्रकार का दुस्साहस किया, तो उन्हें सख्त और उपयुक्त जवाब मिलेगा।

पान-गुटखा खाकर थूका तो लगेगा 500 रुपए फाइन, बड़ी स्क्रीन पर वायरल होगी फोटो

नई दिल्ली ,06 जनवरी (एजेंसी)। अब पान-गुटखा खाकर सार्वजिक स्थानों पर थूकने वालों की खैर नहीं। अब यदि कोई सार्वजनिक स्थान पर थूकता पाया गया तो उसको 500 रुपए जुर्माना लगेगा। साथ ही उस व्यक्ति की फोटो को वैरिएबल मैसेज डिस्प्ले स्क्रीन पर भी प्रसारित किया जाएगा। इसके अलावा इन लोगों को नगर शत्रु की श्रेणी में रखा जाएगा। दरअसल पटना नगर निगम ने शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने की दिशा में यह महत्वपूर्ण और सख्त कदम उठाया है।

बता दें कि नगर आयुक्त सह पटना स्मार्ट सिटी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक यशपाल मीणा के निर्देश पर यह अभियान संचालित किया जा रहा है। खुले में थूकने की प्रवृत्ति से शहर की स्वच्छता, सौंदर्य एवं नागरिकों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। चौक-चौराहों, फ्लाइओवर, सड़कों एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर थूकने से कई स्थान रेड स्पॉट की श्रेणी में आ सकते हैं। इसी को रोकने के उद्देश्य से यह सख्ती अनिवार्य हो गई है। शहर के लगभग 415 स्थानों पर 3300 सीसीटीवी कैमरा लगाए गए हैं। इन कैमरा के माध्यम से पूरे शहर में निगरानी की जा रही है। नगर आयुक्त द्वारा निर्देश दिया गया है कि खुले में थूकने एवं सार्वजनिक स्थलों को गंदा करने वालों की पहचान कर ऐसे नगर शत्रु की तस्वीरें स्क्रीन पर प्रदर्शित की जाएं। इसके अलावा खुले में पेशाब करने वालों के विरुद्ध भी दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश कलमाड़ी का निधन, 81 साल की उम्र में ली अंतिम सांस

नई दिल्ली ,06 जनवरी (एजेंसी)। कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश कलमाड़ी का सोमवार को निधन हो गया। उनके परिवारिक सूत्रों ने इस दुखद समाचार की पुष्टि की है। जानकारी के अनुसार, 81 वर्षीय सुरेश कलमाड़ी लंबे समय से अस्वस्थ थे और मंगलवार तड़के करीब 3:30 बजे पुणे में उन्होंने अंतिम सांस ली।

मिली जानकारी के मुताबिक, सुरेश कलमाड़ी का पार्थिव शरीर आज दोपहर 2 बजे तक एरंडवणे स्थित उनके निवास 'कलमाड़ी हाउस' में अंतिम दर्शन के लिए रखा जाएगा। इसके बाद दोपहर 3:30 बजे वैकुंठ स्मशानभूमि, नवी पेठ, पुणे में उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। परिवार में उनकी पत्नी, एक विवाहित पुत्र, पुत्रवधू, दो विवाहित पुत्रियां, दामाद और पोते-पोतियां हैं।

सुरेश कलमाड़ी महाराष्ट्र के पुणे से पूर्व सांसद रह चुके थे। उन्होंने केंद्र सरकार में रेल राज्य मंत्री के रूप में कार्य किया और भारतीय ओलंपिक संघ के अध्यक्ष का दायित्व भी संभाला। भारतीय खेल जगत से लेकर राष्ट्रीय राजनीति तक उन्होंने अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाई थी, जो आज उनके निधन के साथ एक अध्याय बन गई।

राजनीति में सुरेश कलमाड़ी को 'पुणे का किंगमेकर' भी कहा जाता था। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत भारतीय वायु सेना में पायलट के रूप में की थी और बाद में राजनीति में कदम रखा। वे कई बार सांसद चुने गए और केंद्र सरकार में मंत्री रहते हुए पुणे के बुनियादी ढांचे और विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसे आज भी याद किया जाता है।

खेलों के प्रति उनका लगाव हमेशा चर्चा में रहा। भारतीय ओलंपिक संघ के अध्यक्ष के तौर पर उन्होंने लंबे समय तक भारतीय खेलों का नेतृत्व किया। 2010 के दिल्ली कॉमनवेल्थ गेम्स उनके जीवन का एक अहम पड़ाव साबित हुए। हालांकि इन खेलों से जुड़े विवादों ने उनके राजनीतिक करियर को प्रभावित किया, लेकिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलों को आगे बढ़ाने में उनके योगदान को भी नकारा नहीं जा सकता। उनके निधन की खबर से राजनीतिक जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। कांग्रेस पार्टी सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है। पुणे ने आज अपना एक प्रभावशाली और अनुभवी नेता खो दिया है।

दो दिनों से गायब एक ही परिवार के तीन लोगों की हत्या, कुएं में मिले शव

प्रयागराज ,06 जनवरी (एजेंसी)। मऊआइमा थाना क्षेत्र में एक ही परिवार के तीन लोगों की हत्या कर दी गई। तीनों शुक्रवार रात 11 बजे से लापता थे। आरोप था कि बेटे मुकेश पटेल ने अपने पिता राम सिंह उम्र 55 वर्ष और बहन साधना देवी उम्र 21 वर्ष के साथ 14 साल की भांजी आस्था का अपहरण कर लिया। आस्था मुकेश पटेल की बड़ी बहन किरण की बेटी है। क्राइम ब्रांच ने आज बड़े बेटे मुकेश पटेल को पकड़ लिया। इसके बाद उसने खुलासा किया कि तीनों को मारकर कुएं में लाशें फेंक दी हैं। घटना मऊआइमा थाना क्षेत्र के लोकपुर बिसानी गांव की है।

'आपने भगवान को भी नहीं छोड़ा', सबरीमाला मंदिर में सोना चोरी मामले में सुको ने याचिकाकर्ता को लगाई फटकार

नई दिल्ली ,06 जनवरी (एजेंसी)। सबरीमाला मंदिर में सोना चोरी के मामले में देवास्वोम बोर्ड के पूर्व सदस्य केपी शंकर दास को सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा झटका दिया है। शीर्ष अदालत ने सोमवार को उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें शंकर दास ने केरल हाईकोर्ट के आदेश में उनके खिलाफ की गई टिप्पणियों को हटाने की मांग की थी।

जस्टिस दीपांकर की अध्यक्षता वाली पीठ ने सुनवाई के दौरान कहा कि आपने भगवान को भी नहीं छोड़ा। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि देवास्वोम बोर्ड के सदस्य के तौर पर शंकर दास की जिम्मेदारी बनती है और वे चोरी के मामले में अपनी भूमिका से पल्ला नहीं झाड़ सकते, हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने यह भी साफ किया कि केरल हाईकोर्ट ने अपने आदेश में शंकर दास की उम्र और स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए केवल उस आधार पर नरमी बरती थी। शीर्ष अदालत ने हाईकोर्ट की टिप्पणियों को उचित ठहराते हुए उन्हें हटाने से इनकार कर दिया। दरअसल, केरल हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा था कि सबरीमाला मंदिर में सोने की चोरी के मामले में केपी शंकर दास और के विजयकुमार आपराधिक साजिश से बच नहीं सकते। हाईकोर्ट की इसी टिप्पणी को हटाने की मांग को लेकर शंकर दास ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने उनकी दलीलों को स्वीकार करने से इनकार करते हुए अपील खारिज कर दी। सबरीमाला भगवान अयप्पा मंदिर से कई किलो सोने की चोरी और कुछ कीमती सामानों के गायब होने की खबर मुख्य मुद्दा बनकर उभरी। यह सोना 1998-99 में यूबी ग्रुप के चेयरमैन विजय माल्या द्वारा दान की गई द्वारपाल मूर्तियों पर लगी परत का हिस्सा था। मामले में केरल हाईकोर्ट के दखल के बाद एक उच्चस्तरीय जांच शुरू कर दी।

गुजरात में दूषित पानी का कहर: 7 साल की मासूम की मौत

गांधीनगर में 100 से ज्यादा बच्चे अस्पताल में भर्ती, मचा हड़कंप

गांधीनगर ,06 जनवरी (एजेंसी)। गुजरात की राजधानी गांधीनगर में दूषित पानी पीने से कोहराम मच गया है। शहर के कई इलाकों में गंदा पानी पीने की वजह से बड़ी संख्या में लोग गंभीर बीमारियों की चपेट में आ गए हैं। इस प्रकोप का सबसे दुखद पहलू सोमवार सुबह सामने आया, जब सिविल अस्पताल में भर्ती एक 7 साल की बच्ची काजल कनौजिया की इलाज के दौरान मौत हो गई। बच्ची की मौत के बाद स्थानीय प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है।

मृतक बच्ची के माता-पिता ने बताया कि काजल पिछले 15 दिनों से बीमार चल रही थी। शुरुआती जांच में ही उसे टाइफाइड होने की पुष्टि हो गई थी। हालत बिगड़ने पर उसे चार दिन पहले सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां आज सुबह उसने दम तोड़ दिया। सिविल अस्पताल के सुपरिंटेंडेंट ने जानकारी दी कि अस्पताल में अभी भी करीब 150 मरीज भर्ती हैं, जिनका इलाज चल रहा है। इनमें से दो मरीजों की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है। दूषित पानी का सबसे ज्यादा असर गांधीनगर के सेक्टर 24, 26 और 29 में देखने को मिल रहा है। इन इलाकों के निवासियों ने बताया कि नलों से गंदा पानी आ रहा है, जिसे पीने से लोग टाइफाइड और पेट की बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। चिंताजनक बात यह है कि अस्पताल में भर्ती मरीजों में 100 से ज्यादा बच्चे शामिल हैं। इतनी बड़ी संख्या में बच्चों के बीमार पड़ने से अभिभावकों में दहशत का माहौल है। इतनी बड़ी तादाद में लोगों के बीमार होने और एक बच्ची की जान जाने के बाद प्रशासन हरकत में आया है। नगर निगम और जलापूर्ति विभाग की टीमें प्रभावित इलाकों में पाइपलाइनों के लीकेज ढूंढकर उनकी मरम्मत में जुट गई हैं। इसके अलावा, स्वास्थ्य विभाग ने प्रभावित सेक्टरों में मेडिकल कैंप लगाए हैं और घर-घर जाकर लोगों की स्क्रीनिंग की जा रही है। संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए लोगों के बीच क्लोरीन की गोलियां भी बांटी जा रही हैं और उन्हें पानी उबालकर पीने की सलाह दी गई है।

वाह वाह

०० काका को रात में 12 बजे एक लड़की का फोन आता है...!

काका- हेलो कौन...?

लड़की- हम तेरे बिन अब रह नहीं सकते, तेरे बिना क्या वजूद मेरा...!

काका (खुश होकर) - कौन हैं आप...?

लड़की- तुझसे जुदा अगर हो जायेंगे तो खुद से भी हो जाएंगे जुदा..!

खुशी के मारे काका की आंखों में पानी आ गया, वो बोले- तुम सच में मुझसे शादी करोगी...?

लड़की- इस गाने को अपनी कॉलर ट्यून बंनाने के लिए 8 दबाएं...!

आंध्र प्रदेश में ओएनजीसी पाइपलाइन फटी, भीषण आग में सैकड़ों नारियल के पेड़ जलकर खाक, खाली कराए गए आस-पास के गांव

अमलापुरम ,06 जनवरी (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के कोनासीमा जिले में सोमवार को एक बड़ा हादसा होते-होते टला, लेकिन इसने पूरे इलाके में दहशत फैला दी। जिले के मलिकिपुरम मंडल स्थित इरुसमांडा गांव के पास ओएनजीसी की पाइपलाइन में अचानक हुए बड़े पैमाने पर गैस रिसाव के बाद भीषण आग लग गई। आग इतनी भयावह थी कि देखते ही देखते आसपास का आसमान काले धुएं से ढक गया और लपटों ने सैकड़ों नारियल के पेड़ों को अपनी चपेट में ले लिया।

धमाके के साथ फटी पाइपलाइन, मची अफरा-तफरी

स्थानीय लोगों के मुताबिक, घटना के वक्त एक जोरदार धमाका हुआ, जिसके बाद पाइपलाइन से गैस का रिसाव शुरू हुआ और आग भड़क उठी। धमाके की आवाज सुनते ही पूरे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। ग्रामीणों ने तुरंत इसकी सूचना ओएनजीसी के अधिकारियों और प्रशासन को दी। आग की तीव्रता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि आसपास के सैकड़ों नारियल के पेड़ जलकर राख हो गए हैं। सूचना मिलते ही ओएनजीसी की टेक्निकल टीम और कर्मचारी मौके पर पहुंच गए हैं।

मरम्मत के दौरान हुआ हादसा, गांव कराए जा रहे खाली

प्राप्त जानकारी के अनुसार, हादसे के समय ओएनजीसी के कुएं पर तकनीकी मरम्मत का काम चल रहा था। बताया जा रहा है कि एक निजी कंपनी ने करीब 10 दिन पहले ही यहां गैस भंडारों पर काम शुरू किया था, इसी दौरान यह दुर्घटना घटी। सुरक्षा के मद्देनजर प्रशासन ने तुरंत कार्रवाई करते हुए घटनास्थल के आसपास के गांवों को खाली करवाना शुरू कर दिया है। लाउडस्पीकर के जरिए घोषणाएं कर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने और सावधानी बरतने की अपील की जा रही है।

खारून नदी में गिर रहा उद्योगों का गंदा पानी, बीरगांव की जल आपूर्ति पर मंडराया खतरा

रायपुर ,06 जनवरी (एजेंसी)। इंदौर में दूषित पानी से 16 मौतों के बाद भी राजधानी के जिम्मेदार अफसर नहीं चेते। कारा स्थित सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) में खुलेआम नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। उरला औद्योगिक क्षेत्र के उद्योगों से निकलने वाला केमिकल युक्त और जहरीला पानी बिना किसी ट्रीटमेंट के सीधे खारून नदी में छोड़ा जा रहा है। हालात इतने गंभीर हैं कि खारून का पानी अब धीरे-धीरे जहर में तब्दील होता जा रहा है, लेकिन नगर निगम रायपुर की नींद अब तक नहीं खुली।

यह वही एसटीपी है, जहां उद्योगों से निकलने वाले दूषित जल को शुद्ध कर नदी में छोड़ा जाना चाहिए, लेकिन जमीनी हकीकत इससे ठीक उलट है। पिछले कई महीनों से एसटीपी केवल नाम का रह गया है। ट्रीटमेंट प्लांट में मशीनें खामोश पड़ी हैं, फिल्टर सिस्टम बेअसर है और केमिकल युक्त गंदा पानी नालों के जरिए सीधे खारून में बहाया जा रहा है।

महापौर-आयुक्त पहुंचे निरीक्षण पर-मंगलवार को बीरगांव नगर निगम के महापौर नंदलाल देवांगन निगम आयुक्त युगल किशोर उर्वशा और अधिकारियों की टीम के साथ कारा एसटीपी पहुंचे। वहां ट्रीटमेंट टैंक के आसपास काले रंग का झाग, तेज दुर्गंध और केमिकल युक्त पानी जमा पाया। कई पाइप लाइनें सीधे नदी की ओर खुली हुई थीं, जिनसे बिना ट्रीटमेंट किया गंदा पानी लगातार बह रहा था।

जनदर्शन में कलेक्टर ने सुनी आमजनों की समस्याएं, त्वरित राहत के दिए निर्देश

धान विक्रय में आ रही समस्याओं का शीघ्र समाधान करें सुनिश्चित, किसानों को दिलाएं राहत– कलेक्टर

कोरबा (छ.ग.गौरव)। जिले के शहरी क्षेत्रों के साथ साथ दूरस्थ पहाड़ी, वनांचल क्षेत्रों से अपनी समस्याओं के समाधान की आस लेकर आए नागरिकों की परेशानियों को कलेक्टर कुणाल दुदावत ने गंभीरता से सुना। उन्होंने प्रत्येक शिकायत को ध्यानपूर्वक सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को प्रकरणों की जांच कर शीघ्र एवं न्यायसंगत निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जनदर्शन में ग्रामीणजन धान विक्रय, रकबा संशोधन एवं त्रुटिपूर्ण गिरदावरी से संबंधित समस्याओं को लेकर उपस्थित हुए। कलेक्टर कुणाल दुदावत ने शिकायतों को गंभीरता से सुनते हुए खाद्य अधिकारी को धान उपार्जन मामलों की जांच कर वास्तविक हितग्राहियों को शीघ्र राहत देने तथा राजस्व अधिकारियों को गिरदावरी एवं रकबा प्रकरणों का समयबद्ध निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसानों व ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

नगर के सर्वमंगला मंदिर समीप स्थित स्नेह सदन में निवासरत वृद्ध पदुम लाल दिकसेना द्वारा संस्थान में अव्यवस्था एवं दुर्व्यवहार संबंधी शिकायत प्रस्तुत की गई। कलेक्टर ने प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए सहायक कलेक्टर को संस्थान का निरीक्षण कर जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। साथ ही उप संचालक, समाज कल्याण विभाग को सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करते हुए परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगाने सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जनदर्शन में गढ़ उपरोड़ा पंचायत के ग्राम कदमझेरिया के पीवीटीजी समुदाय के पहाड़ी कोरवा वर्ग के पहारू राम, बिफईया राम और अमृत लाल सहित अन्य ने आजीविका बढ़ाने के लिए बकरी पालन करने हेतु आवेदन किया। कलेक्टर ने इसे गंभीरता से लेते हुए पशुधन विभाग को प्रेषित कर आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने और पात्र लाभार्थियों को राहत सुनिश्चित करने निर्देशित किया।

कटघोरा विकासखंड के ग्राम जवाली निवासी श्री लकेश्वर प्रसाद ने आवेदन प्रस्तुत कर बताया कि दीपका-कटघोरा पहुंच मार्ग पर खोलार नाला के समीप उनकी खसरा नंबर 190/15 भूमि पर प्रशासन द्वारा पुल एवं सड़क का निर्माण किया गया है, लंबे समय बीत जाने के बावजूद उन्हें मुआवजा राशि प्रदान नहीं की गई है। कलेक्टर ने प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए एसडीएम कटघोरा को मामले की पूर्ण जांच कर शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए।

पाली विकासखंड के ग्राम गोपालपुर निवासी राजेन्द्र सिंह मरावी ने ग्राम अण्डीकछार स्थित अपनी नानी श्रीमती दुखनी बाई की भूमि का ऑनलाइन राजस्व रिकॉर्ड दुरुस्त न होने की शिकायत की। कलेक्टर ने प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए एसडीएम पाली को जांच कर आवेदक को शीघ्र राहत प्रदान करने के निर्देश दिए।

इसी प्रकार जनदर्शन में अवैध निर्माण रोकने, अतिक्रमण हटाने, अधिक बिजली बिल की जांच, नए आंगनबाड़ी भवन निर्माण की स्वीकृति, वनाधिकार पट्टा, सीमांकन, मजदूरी भुगतान, रोजगार और मानदेय समेत कुल 95 आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर कुणाल दुदावत ने सभी आवेदनों को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को त्वरित जांच कर पात्र आवेदकों को राहत देने के निर्देश दिए।

शिक्षकों के मोबाइल से उपस्थिति पर आपत्ति

छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन ने की बायोमेट्रिक पंच मशीन उपलब्ध कराए जाने की मांग

कोरबा (छ.ग.गौरव)। छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष संजय शर्मा ने शिक्षा मंत्री, शिक्षा सचिव, संचालक को पत्र लिखकर विद्यालयों में मोबाइल-नेट सुविधा व बायोमेट्रिक पंच मशीन उपलब्ध कराए जाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा विद्या समीक्षा केंद्र के माध्यम से शिक्षकों की उपस्थिति मोबाइल एप से दर्ज कराने का निर्णय व्यवहारिक नहीं है। यह शिक्षकों की निजता व वित्तीय सुरक्षा से जुड़ा गंभीर विषय है, निजी मोबाइल के माध्यम से उपस्थिति लेना अत्यंत आपत्तिजनक है।

छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष संजय शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष बसंत चतुर्वेदी, प्रदेश संगठन मंत्री प्रमोद सिंह राजपूत, जिला अध्यक्ष मनोज चौबे, जिला सचिव नरेंद्र चंद्रा, जिला कोषाध्यक्ष बुद्धेश्वर सोनवानी, जिला मीडिया प्रभारी प्रदीप जायसवाल ने कहा कि शिक्षकों के मोबाइल निजी हैं। निजी मोबाइल से शासकीय उपस्थिति दर्ज कराना निजता के अधिकार का उल्लंघन है, यदि शासन को बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली लागू करना है, तो प्रत्येक विद्यालय में बायोमेट्रिक (पंच) मशीन व स्थायी इंटरनेट सुविधा उपलब्ध कराया जाना चाहिए। श्री चौबे ने कहा कि मोबाइल एप से उपस्थिति लेने का आशय यह प्रतीत होता है कि शासन को अपनी निरीक्षण व्यवस्था पर भरोसा नहीं है। वहीं दूसरी ओर शासकीय कार्यों के लिए शिक्षकों को निजी मोबाइल का उपयोग करने के लिए विवश किया जा रहा है, जिससे उनके व्यक्तिगत डाटा की सुरक्षा गंभीर रूप से प्रभावित हो रहा है। प्रदेश अध्यक्ष श्री शर्मा ने बताया कि कई जिले में अनेक शिक्षक साइबर ठगी के शिकार हो चुके हैं। फर्जी डीपीआई अधिकारी, पुलिस अधिकारी या बैंक अधिकारी बनकर कॉल कर शिक्षकों को ठगने के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। ऐसे में निजी मोबाइल पर शासकीय एप का दबाव शिक्षकों को और अधिक वित्तीय जोखिम में डालता है। छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन ने कहा कि शिक्षक किसी भी सुधारात्मक व्यवस्था के विरोधी नहीं हैं, लेकिन बिना वित्तीय सुरक्षा और बिना विश्वास के थोपी गई व्यवस्था स्वीकार्य नहीं है।

यह है प्रमुख मांग-प्रत्येक विद्यालय में बायोमेट्रिक मशीन व इंटरनेट सुविधा ।

शासकीय कार्य के लिए प्रत्येक स्कूल को एक लैपटॉप

ग्राम पंचायत गिधौरी की शासकीय उचित मूल्य दुकान संचालनकर्ता समिति निलंबित

राशन वितरण में अनियमितता एवं स्टॉक की भारी कमी पाए जाने पर जिला प्रशासन की कड़ी कार्रवाई

कोरबा (छ.ग.गौरव)। ग्राम पंचायत गिधौरी, विकासखंड करतला, जिला कोरबा स्थित शासकीय उचित मूल्य की दुकान (आई.डी. क्रमांक 552002038), जिसका संचालन चन्द्राकर खाद्य सुरक्षा पोषण एवं उपभोक्ता सेवा सहकारी समिति मर्यादित गिधौरी द्वारा किया जा रहा था, के विरुद्ध गंभीर अनियमितताएँ पाए जाने पर जिला प्रशासन द्वारा कठोर कार्रवाई की गई है। वार्षिक सत्यापन वर्ष 2025 के दौरान संचालक संस्था द्वारा पीडीएस संचालन कार्य में उल्लेखनीय अनियमितताएँ सामने आईं। स्टॉक परीक्षण में चावल के स्टॉक में 143.71 क्विंटल तथा नमक के स्टॉक में 13.47 क्विंटल की कमी परिलक्षित हुई, जो पीडीएस खाद्यान्न के व्यपवर्तन और अफरा-तफरी का स्पष्ट संकेत है।

संचालक संस्था का यह आचरण छत्तीसगढ़ सार्वजनिक वितरण प्रणाली (नियंत्रण) आदेश, 2016 की विभिन्न कंडिकाओं तथा निष्पादित अनुबंध पत्र में उल्लिखित प्रमुख शर्तों का सीधा उल्लंघन है। इस मामले में पंजीबद्ध प्रकरण पर संचालकों को कारण बताओ नोटिस क्रमांक 2446 दिनांक 22 सितंबर 2025 तथा कारण बताओ नोटिस क्रमांक 2367 दिनांक 14 अक्टूबर 2025 जारी किए गए थे, किंतु अध्यक्ष, प्रबंधक तथा विक्रेता द्वारा निर्धारित समय-सीमा के भीतर कोई समाधानकारक जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया।

इसी अवधि में कलेक्टर जनदर्शन (टोकन क्रमांक 2050126000001 दिनांक 05 जनवरी 2026) में स्थानीय राशनकार्ड हितग्राहियों द्वारा उचित मूल्य दुकान संचालकों के विरुद्ध राशन वितरण में अनियमितता संबंधी शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनका परीक्षण करने पर आरोप सत्य पाए गए। उचित मूल्य दुकान संचालकों द्वारा किया गया यह कृत्य पीडीएस संचालन में स्वेच्छाचारिता और नियमों की अवहेलना को दर्शाता है। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कोरबा द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन के आधार पर शासकीय उचित मूल्य दुकान ग्राम पंचायत गिधौरी (आई.डी. क्रमांक 552002038) का संचालन कर रही चन्द्राकर खाद्य सुरक्षा पोषण एवं उपभोक्ता सेवा सहकारी समिति मर्यादित गिधौरी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। हितग्राहियों को पीडीएस खाद्यान्न की निर्बाध उपलब्धता बनाए रखने के लिए अस्थायी वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में ग्राम पंचायत नोनबिर्रा की शासकीय उचित मूल्य दुकान (आई.डी. क्रमांक 552002034), जिसका संचालन गणेश खाद्य सुरक्षा पोषण एवं उपभोक्ता सेवा सहकारी समिति मर्यादित ग्राम पंचायत नोनबिर्रा द्वारा किया जाता है, में गिधौरी उचित मूल्य दुकान को प्रकरण के निराकरण तक संलग्न किया गया है।

राशिफल

मेष राशि-आज का दिन खुशियों से भरा रहेगा। परिवार विशेषकर बच्चों से अच्छी खबर मिल सकती है। पढ़ाई और क्रिएटिव फील्ड से जुड़े लोगों के लिए समय अनुकूल है। बेरोजगार लोगों के लिए आज अवसर बनते दिखाई देंगे और आर्थिक स्थिति मजबूत होने के संकेत हैं।

वृषभ राशि-आज का दिन करियर ग्रोथ के लिहाज से शानदार रहने वाला है। सरकारी या बड़ी संस्थाओं में काम करने वालों के प्रमोशन के योग बन रहे हैं। बिजनेस से जुड़े लोगों को विदेश या दूरस्थ स्थान से लाभ हो सकता है। घर का माहौल भी आज खुशी से भरा रहेगा।

मिथुन राशि-आज का दिन सामान्य रहेगा लेकिन पारिवारिक और व्यक्तिगत जीवन में संतुलन बनाए रखना आवश्यक होगा। करियर को लेकर थोड़ी चिंता रहेगी पर सही सलाह और धैर्य आपको बेहतर परिणाम देगा। सरकारी परीक्षा की तैयारी करने वालों के लिए दिन शुभ है।

कर्क राशि-आज परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा। माता-पिता के साथ कहीं घूमने जाने का कार्यक्रम बन सकता है। घरेलू वातावरण खुशनुमा रहेगा और मन प्रसन्न रहेगा। आर्थिक स्थिति भी सहायक बनी रहेगी।

सिंह राशि-आज आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा और रुके हुए काम आगे बढ़ेंगे। कारोबारी लोगों के लिए दिन लाभदायक है। नौकरी और प्रोफेशन में नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं। कला और क्रिएटिव क्षेत्र वालों के लिए भी अच्छे ऑफर आने के संकेत हैं।

कन्या राशि-आज बिजनेस में कोई बड़ी डील मिलने की संभावना है, जिससे लाभ के अवसर बनेंगे। परिवार में तालमेल बेहतर रहेगा और कोई शुभ समाचार प्राप्त हो सकता है। शाम का समय परिवार और बच्चों के साथ अच्छा बीतेगा।

तुला राशि-आज आप नए काम और विचारों की ओर आकर्षित होंगे। अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखने की कोशिश करेंगे तो आने वाले समय में आर्थिक स्थिति और मजबूत होगी। ऑफिस में अतिरिक्त काम करने से आपके अधूरे काम पूरे हो जाएंगे।

वृश्चिक राशि-आज का दिन दोस्तों और करीबी लोगों के साथ अच्छा बीतेगा। यदि किसी नए काम की शुरुआत कर रहे हैं तो बड़े-बुजुर्गों का आशीर्वाद लेना लाभदायक रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें और खानपान में सावधानी बरतें।

धनु राशि-आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। काम आपकी इच्छा के अनुसार पूरे होंगे। ऑफिस में आपके काम और आइडियाज की सराहना होगी। सम्मान और मान प्रतिष्ठा बढ़ने के योग हैं और बॉस भी आपका सहयोग करेंगे।

मकर राशि-आज का दिन कामकाज में अच्छी प्रगति देने वाला रहेगा। आमदनी बढ़ने के संकेत हैं। यदि कोई महत्वपूर्ण काम आज पूरा करना चाहते हैं तो योजना बनाकर चलने से सफलता मिलेगी और काम समय से पहले पूरे हो सकते हैं।

कुंभ राशि-आज लंबे समय से अटके हुए कामों में सफलता मिलने की उम्मीद है। ऑफिस में जल्दबाजी से बचें और सोच-समझकर निर्णय लें। स्टूडेंट्स के लिए दिन सकारात्मक रहेगा और पढ़ाई में एकाग्रता बढ़ेगी।

मीन राशि-आज का दिन शानदार रहेगा। वैवाहिक जीवन में मधुरता बढ़ेगी और जीवनसाथी के साथ समय बिताने का मौका मिलेगा। किसी पुराने दोस्त से मुलाकात हो सकती है जिससे पुरानी यादें ताजा होंगी। धार्मिक कार्यों में मन लगा रहेगा।

अप्रारंभ एवं निविदा स्तर के कार्यो में भी शीघ्रता से कार्यवाही पूर्ण करते हुए कार्य प्रारंभ कराएं– कलेक्टर

कार्य में लापरवाही बरतने वाले ठेकेदारों के अनुबंध निरस्त कर, ब्लैक लिस्ट करने हेतु किया निर्देशित

कोरबा (छ.ग.गौरव)। कलेक्टर कुणाल दुदावत कलेक्टोरेट सभाकक्ष में विभिन्न निर्माण विभागों की बैठक लेकर प्रगतिरत निर्माण कार्यों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने सभी निर्माणाधीन कार्यों को शीघ्रता से पूर्ण कराने हेतु सभी निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया। साथ ही निर्माण कार्यों के गुणवत्ता पर किसी प्रकार की लापरवाही न बरतने की सख्त हिदायत दी। इस अवसर पर कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग, राष्ट्रीय राजमार्ग, सेतु, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना सहित अन्य निर्माण विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने राष्ट्रीय राजमार्ग में प्रगतिरत निर्माण व मरम्मत कार्यों की अद्यतन स्थिति की जानकारी लेते हुए तेजी से प्रगति लाने एवं निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए ।

लोक निर्माण विभाग अंतर्गत निर्माण किये जा रहे अनेक सड़क, स्कूल भवन, कॉलेज भवन सहित अन्य प्रगतिरत कार्यों की समीक्षा करते हुए कार्य में गंभीरता से तेजी लाने एवं समयावधि में पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने जिले के दूरस्थ क्षेत्र लैंगा में जिले में शिक्षा व स्वास्थ्य सुविधाओं की विस्तार हेतु किए जा रहे निर्माण कार्य को प्राथमिकता से पूरा कराने के लिए कहा। कॉलेज व विद्यालय भवन के कार्य को अगले शैक्षणिक सत्र प्रारम्भ होने से पहले पूर्ण कराने निर्देशित किया।

कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग को अप्रारंभ एवं निविदा स्तर के कार्यो में भी शीघ्रता से कार्यवाही पूर्ण करते हुए कार्य प्रारंभ कराने की बात कही। साथ ही प्रगतिरत सभी कार्यों में मैन पावर बढ़ाकर कार्य मे तेजी लाने निर्देश दिये। उन्होंने स्वीकृत सड़क निर्माण कार्य में गति लाने के लिए निर्माण स्थल के समीप वीटी प्लांट स्थापित करने निर्देशित किया।

श्री दुदावत ने बंजारी महाविद्यालय के लंबित कॉलेज भवन, छात्रावास के निर्माण कार्य को शीघ्रता से पूर्ण करने एवं मुख्य मार्ग से कॉलेज तक एप्रोच रोड व बाउंड्री वाल निर्माण हेतु डीएमएफ से प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। विभाग के अन्य निर्माण कार्यों में जमीन विवाद के मामले में एसडीएम से सम्पर्क कर समाधान कराने की बात कही।

कलेक्टर ने पीएमजीएसवाई व सेतु विभाग अंतर्गत सड़क व पुल-पुलिया निर्माण स्थिति की समीक्षा करते हुए सभी मार्गो में तेजी से प्रगति लाने के निर्देश दिए। साथ ही मरम्मत कार्यो को भी शीघ्रता से पूर्ण कराने के लिए कहा। उन्होंने सभी निर्माण विभागों को प्रगतिरत सभी स्थानों में समान्तर कार्य प्रारंभ कराने, मशीनरी एवं श्रमिकों की संख्या बढ़ाने की बात कही। साथ ही निर्माण कार्यों में लापरवाही बरतने व अपेक्षाकृत कम प्रगति वाले एजेंसियों पर सख्ती से कार्यवाही करते हुए अनुबंध निरस्त करने एवं ब्लैक लिस्ट करने हेतु निर्देशित किया।

राठौर रॉयल्स ने प्रगति लाइंस को 58 रनों से हराया

कोरबा (छ.ग.गौरव)। प्रगति नगर दीपका के श्रमवीर स्टेडियम में चल रहे दीपका प्रीमियर लीग (डीपीएल) क्रिकेट टूर्नामेंट में राठौर रॉयल्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रगति लाइंस को 58 रनों से हरा दिया। खेले गए मैच में राठौर रॉयल्स के कप्तान नकुल वर्मा तथा प्रगति लाइंस के कप्तान अमर पाल आमने-सामने थे। टॉस प्रगति लाइंस ने जीता और पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए राठौर रॉयल्स ने निर्धारित 20 ओवर में ताबड़तोड़ खेल दिखाते हुए 184 रनों का मजबूत स्कोर खड़ा कर दिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी प्रगति लाइंस 20 ओवर में 8 विकेट खोकर सिर्फ 126 रन ही बना सकी। सुबह 10 बजे शुरू हुए इस रोमांचक मुकाबले में राठौर रॉयल्स के खिलाड़ी मनीष राठौर को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया, वहीं बेस्ट बॉलर का पुरस्कार नागेश्वर को मिला। भाजपा मंडल उपाध्यक्ष रोहित राठौर ने कहा कि स्थानीय क्षेत्र के युवाओं में खेल भावना को प्रोत्साहित करने यह आयोजन सराहनीय है। खिलाड़ियों को सुशील तिवारी, आनंद राठौर और आशीष सिंह ने पुरस्कार प्रदान किया।

बसंत पंचमी 23 जनवरी को

कोरबा (छ.ग.गौरव)। कोरबा यंगमैन एसोसिएशन काली पूजा समिति के तत्वावधान में बसंत पंचमी पर 23 जनवरी को पुराना बस स्टैंड दुर्गा मंडप में मां सरस्वती की पूजा-अर्चना की जाएगी। कोलकाता से आए पंडितों के मार्गदर्शन में सरस्वती वंदना, पुष्पांजलि व हवन कार्यक्रम होंगे। आकर्षक झांकी श्रद्धालुओं के आकर्षण का केन्द्र होगी।

कार्यालय, कार्यपालन अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग कोरबा

संक्षिप्त ई-निविदा आमंत्रण सूचना कमांक-28

(प्रथम बार)

क्रमांक /13 / टेण्डर/ग्रायांसेवा/2026 — कोरबा, दिनांक 02.01.2026

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत प्रपत्र 'ए' में दर्शित सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों के लिए निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा दिनांक 16.01.2026 समय 17.30 बजे तक आमंत्रित की जाती है।

सिस्टम टेण्डर क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू.लाख में)	धरोहर राशि (रू.में)
1	2	3	4
182967	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र करतला हेतु आवासीय भवन निर्माण कार्य वि.खं. करतला	46.11	34583.00
182968	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पाली हेतु आवासीय भवन निर्माण कार्य वि.खं. पाली	46.11	34583.00
182969	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पोंड़ीउपरोड़ा हेतु आवासीय भवन निर्माण कार्य वि.खं. पोंड़ीउपरोड़ा	46.11	34583.00
182971	मड़वारानी मंदिर में आर्चशेड़ निर्माण कार्य ग्राम पंचायत पुरेना, वि0खं0 करतला	23.71	17783.00
182972	ट्रेनिंग हॉल निर्माण कार्य करतला, वि.खं. करतला	42.46	31845.00

2 उपरोक्त निर्माण कार्य की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in में दिनांक 02.01.2026 समय 15.00 बजे से डाउनलोड की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग
कोरबा, जिला कोरबा (छ.ग.)

जी-252605811/1

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने नई दिल्ली में डीआरडीओ मुख्यालय में 68वें स्थापना दिवस के मौके पर एक बैठक की।

समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने लखनऊ में नए साल 2026 के पहले दिन बाटी चोखा लंच के मौके पर समर्थकों से मुलाकात की और उनका अभिवादन किया।

नए साल के दिन अज़रबैजान के बाकू में कैस्पियन सागर के पश्चिमी तट पर सूरज उगता हुआ ।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बुधवार, 31 दिसंबर, 2025 को इंदौर के एक अस्पताल में दूषित पानी पीने के बाद इलाज करवा रहे एक प्रभावित व्यक्ति से मुलाकात की। राज्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय भी मौजूद थे।

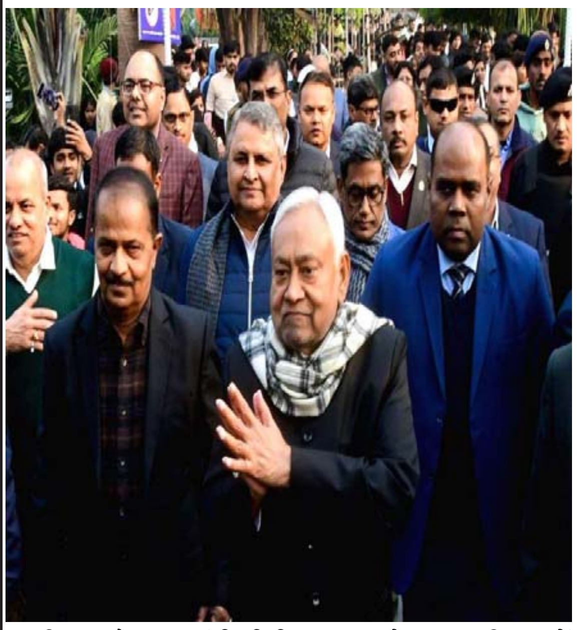

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पटना, बिहार में इको पार्क का दौरा किया।

इंदौर के एम.वाई. हॉस्पिटल में पानी में मिलावट की घटना को लेकर हुई रिव्यू मीटिंग के दौरान मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव राज्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के साथ।

सिर पर पेट्रोल डालकर जला दिया बांग्लादेश में हिंदू व्यापारी पर बर्बर हमला

ढाका,06 जनवरी (एजेंसी)। बांग्लादेश के शरियतपुर जिले में नए साल की पूर्व संध्या पर एक हिंदू व्यापारी पर जानलेवा हमला किया गया। 50 वर्षीय खोकन चंद्र दास पर हमलावरों ने धारदार हथियारों से वार किया, फिर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। गंभीर रूप से घायल खोकन ने पास के तालाब में छलांग लगाकर अपनी जान बचाई। वे फिलहाल ढाका के अस्पताल में जीवन-मृत्यु से जूझ रहे हैं।यह घटना 31 दिसंबर की रात करीब 9:30 बजे दामुद्या उपजिले के कोनेश्वर यूनियन में केउरभंगा बाजार के पास हुई। खोकन चंद्र दास दवा की दुकान और मोबाइल बैंकिंग का कारोबार चलाते हैं। दुकान बंद करके घर लौटते समय हमलावरों ने उन्हें घेर लिया, बुरी तरह पीटा और चाकू से गोद दिया। इसके बाद सिर व चेहरे पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी।पीड़ित की पत्नी सीमा दास ने एनडीटीवी से कहा, 卐हमारा किसी से कोई विवाद नहीं है। हमें समझ नहीं आ रहा कि मेरे पति को अचानक क्यों निशाना बनाया गया। उन्होंने हमलावरों में से दो को पहचान लिया था, इसलिए उन्होंने सिर और चेहरे पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी।卐 रोते हुए सीमा ने आगे कहा, 卐हम हिंदू हैं, बस शांति से जीना चाहते हैं। हमलावर मुस्लिम थे। पुलिस उन्हें गिरफ्तार करने की कोशिश कर रही है। मैं सरकार से मदद की गुहार लगाती हूं।卐सीमा दास ने बताया कि खोकन की एक आंख की सर्जरी हो चुकी है और उन्हें आईसीयू में शिफ्ट किया जाएगा। उनके तीन बच्चे हैं और स्थिर करने के लिए कम से कम छह यूनिट खून की जरूरत है। अस्पताल में बात करते समय वे अपने सबसे छोटे बेटे को कसकर पकड़े हुए थीं। पुलिस ने दो हमलावरों की पहचान कर ली है और गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं। दामुद्या पुलिस स्टेशन के अधिकारी ने कहा कि

मामला जांच के दायरे में है। कुछ स्थानीय लोगों ने इसे सांप्रदायिक नहीं बताया, लेकिन इलाके में व्याप्त डर स्पष्ट दिख रहा है—अधिकांश लोग नाम गुप्त रखने की गुजारिश कर रहे हैं।यह हमला पिछले दो हफ्तों में हिंदुओं पर चौथा बड़ा हमला है। दिसंबर में दीपू चंद्र दास को ईशनिंदा के झूठे आरोप में भीड़ ने पीट-पीटकर मार डाला और शव को आग लगा दी। इसी तरह अमृत मंडल और बजेंद्र बिस्वास की हत्या हुई। मुहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार के कार्यकाल में अल्पसंख्यकों, खासकर हिंदुओं पर हिंसा में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। मानवाधिकार संगठनों ने 2025 में सैकड़ों हमलों की रिपोर्ट दी है, जिसमें मंदिरों पर हमले, लूटपाट और आगजनी शामिल हैं।

जर्मनी में भारतीय छात्र की मौत, आग से बचने की कोशिश में अपार्टमेंट से कूदा, घर पर पसरा मातम

बर्लिन ,06 जनवरी (एजेंसी)।(जर्मनी) संक्रांति के त्योहार पर रितिक रेड्डी का परिवार उसका घर लौटने का बेसब्री से इंतजार कर रहा था। लेकिन नए साल के पहले दिन अपार्टमेंट में आग लगने के बाद रितिक की मौत हो गई। अब उनका परिवार उनके शव का इंतजार कर रहा है। जर्मनी की राजधानी बर्लिन में एक भारतीय छात्र की बुधवार की रात भीषण अग्निकांड में मौत हो गई। बताया जा रहा है कि उनके अपार्टमेंट में भीषण आग लगी। आग और घने धुएं से बचने की कोशिश में छात्र अपार्टमेंट की ऊपरी मंजिल से कूद गया और उसके सिर पर चोटें आईं। उसे पास के अस्पताल में ले जाया गया। लेकिन उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान तेलंगाना के जंगांव जिले के मल्कापुर गांव निवासी रितिक रेड्डी (25 वर्षीय) के रूप में हुई है। संक्रांति के त्योहार पर उनका परिवार उनके घर लौटने का इंतजार कर रहा था। लेकिन नए साल के पहले दिन यह हादसा हो गया। उनके निधन की खबर सुनकर घर शोक में डूब गया। परिवार अब उनके असामयिक निधन से सदमे में है। रिपोर्ट के मुताबिक, रितिक रेड्डी यूरोप विश्वविद्यालय से एमएस की पढ़ाई के लिए जून 2023 में जर्मनी के मैगडेबर्ग गए थे। उन्होंने 2022 में वाग्देवी इंजीनियरिंग कॉलेज से स्नातक किया था। बताया जा रहा है कि रितिक ने दशहरा के समय छुट्टी को टाल दिया और योजना बनाई थी कि जनवरी के दूसरे सप्ताह में संक्रांति के लिए घर लौटेंगे।जर्मनी के स्थानीय अधिकारी आग लगने के कारण की जांच कर रहे हैं। इसी बीच, रितिक का परिवार और उनके मित्र तेलंगाना से विदेश मंत्रालय (एमईए) और जर्मनी में भारतीय दूतावास से संपर्क कर रहे हैं, ताकि उनके शव को उनके घर गांव लाने की प्रक्रिया जल्दी पूरी हो सके।पिछले महीने जंगांव जिले की सहज रेड्डी उदुमला (24 वर्षीय महिला) की अमेरिका में घर की आग लगने के कारण मौत हो गई थी।

राष्ट्रपति पुतिन के आवास पर ड्रोन अटैक, रूस ने पलटवार कर यूक्रेन के इस शहर में मचाई तबाही

न्यूयॉर्क ,06 जनवरी (एजेंसी)। रूस ने यूक्रेन पर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के आवास पर ड्रोन से हमला करने का आरोप लगाया है। हालांकि रूस की ओर से यह स्पष्ट नहीं किया गया कि कथित हमले के समय राष्ट्रपति पुतिन कहां मौजूद थे। इस घटना के बाद रूस ने जवाबी कार्रवाई करते हुए यूक्रेन के ओडेसा शहर में ड्रोन हमले किए हैं। रूसी हमलों में ओडेसा की एक रिहायशी इमारत और विद्युत ग्रिड को निशाना बनाया गया, जिसमें 3 बच्चों समेत कुल 6 लोग घायल हो गए। हमले के बाद इलाके में दहशत का माहौल बन गया।स्थानीय सैन्य प्रशासन के प्रमुख ओलेह किपर ने बताया कि रूसी बमबारी में चार इमारतों को नुकसान पहुंचा है। वहीं यूक्रेन की ऊर्जा कंपनी डीटीईके ने कहा कि उसके दो अहम ऊर्जा प्रतिष्ठानों को गंभीर क्षति हुई है। कंपनी के अनुसार, दिसंबर महीने में ही ओडेसा शहर में बिजली आपूर्ति करने वाले 10 सब-स्टेशन पहले से क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। इस बीच रूस ने दावा किया है कि यूक्रेन ने पुतिन के आवास पर हमला करने की कोशिश की थी। रूसी रक्षा मंत्रालय ने गिराए गए ड्रोन का एक वीडियो जारी किया है और कहा है कि इसी ड्रोन का इस्तेमाल हमले के लिए किया गया था।

खालिदा जिया की मौत की जिम्मेदार शेख हसीना, बीएनपी का बड़ा आरोप, प्रतिशोध में भेजा गया था जेल

ढाका ,06 जनवरी (एजेंसी)।बांग्लादेश में सियासी बयानबाजी तेज। बीएनपी ने आरोप लगाया कि खालिदा जिया की लंबी कैद और विदेश में इलाज पर रोक उनकी मौत का कारण बनी, जिसके लिए शेख हसीना जिम्मेदार हैं।

बांग्लादेश की राजनीति में एक बार फिर तीखा आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो गया है। बांग्लादेश राष्ट्रीय पार्टी (बीएनपी) की स्थायी समिति के सदस्य नजरुल इस्लाम खान ने अपदस्थ पीएम शेख हसीना पर पार्टी अध्यक्ष और पूर्व पीएम खालिदा जिया की मृत्यु के लिए जिम्मेदार होने का आरोप लगाया है। खालिदा जिया के नमाज-ए-जनाजा से पहले नजरुल ने कहा, 8 फरवरी, 2018 को खालिदा जिया को हसीना के निजी प्रतिशोध का शिकार होने के बाद जेल भेजा गया, लेकिन जेल से बाहर आने पर उनकी हालत गंभीर बनी रही।इस्लाम ने कहा जिया की लंबी कैद, उनका पर्याप्त चिकित्सा देखभाल से वंचित रहना और विदेश में इलाज कराने पर प्रतिबंध ने उनके स्वास्थ्य को गंभीर क्षति पहुंचाई व अंततः उनकी मृत्यु का कारण बना। उन्होंने मेडिकल विशेषज्ञों की राय के हवाले से कहा, चार साल की नजरबंदी के दौरान विदेश में इलाज कराने का मौका न मिलने के कारण उनकी बीमारी और बिगड़ गई। अंततः उनकी मृत्यु हो गई। नसरुल ने कहा, हसीना कभी भी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो पाएंगी।

बांग्लादेश अवामी लीग की अध्यक्ष और पूर्व पीएम शेख हसीना ने सोशल मीडिया पर साझा नव वर्ष संदेश में लोगों से देश को अंधकार के इस सफर से बचाने के लिए एकजुट होने का अपील की और शुभकामनाएं दीं। वह बोलीं, यह साल अतीत के दुखों-कष्टों को मिटा दे, गलतियों-कमियों को सुधारे और सभी के लिए यादगार वर्ष बने। यह देश सभी लोगों का हो - चाहे उनका धर्म, रंग, वर्ग, पेशा या जातीय पहचान कुछ भी हो।

यूक्रेन ने किया खेरसॉन में ड्रोन हमला, नए साल का जश्न मना रहे 24 लोगों की मौत; 50 से ज्यादा घायल

मॉस्को ,06 जनवरी (एजेंसी)। रूस के नियंत्रण वाले खेरसॉन इलाके में स्थित एक होटल और कैफे में नए साल का जश्न मना रहे लोगों पर यूक्रेन के भीषण ड्रोन हमले में 24 लोगों की मौत हो गई।

हालांकि, यूक्रेन ने कहा है कि उसने केवल दुश्मन के सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है।नए साल के पहले दिन गुरुवार को यूक्रेन ने रूस पर भीषण ड्रोन हमला किया। रूस ने दावा किया है कि इन हमलों में कम से कम 24 लोगों की मौत हो गई है। मरने वालों में एक बच्चा भी शामिल है। रूसी विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक खेरसॉन प्रांत के एक होटल और कैफे में नए साल के जश्न के दौरान यह यूक्रेनी हमला हुआ। विदेश मंत्रालय ने बताया कि रूस के नियंत्रण वाले दक्षिणी खेरसोन इलाके में यूक्रेन ने इस हमले को अंजाम दिया। रूसी सरकार की ओर से नियुक्त क्षेत्रीय गवर्नर व्लादिमीर साल्डो ने यूक्रेन पर आतंकवादी हमला करने का आरोप लगाया। वहीं यूक्रेन का कहना है कि वह नागरिकों को निशाना नहीं बनाता है। 'जानबूझकर किया गया ड्रोन हमला', बोले खेरसॉन के गवर्नरसाल्डो ने कहा कि तीन यूक्रेनी ड्रोन ने तटीय गांव खोरली में नव वर्ष समारोह स्थल पर हमला किया। उन्होंने इसे नागरिकों के खिलाफ जानबूझकर किया गया हमला बताया। उन्होंने कहा कि कई लोग जिंदा जल गए। रूस के विदेश मंत्रालय ने कहा कि शुरुआती जानकारी से संकेत मिलता है कि 24 लोग मारे गए हैं और 50 लोग घायल हुए हैं।मंत्रालय ने एक बयान में कहा, 'इसमें कोई संदेह नहीं है कि हमला पूर्व नियोजित था, जिसमें ड्रोन ने जानबूझकर उन क्षेत्रों को निशाना बनाया जहां नागरिक नव वर्ष की पूर्व संध्या मनाने के लिए एकत्र हुए थे और हमले को युद्ध अपराध करार दिया।' रूस ने की हमले की निंदारूसी अधिकारियों ने बताया कि ड्रोन हमलों के बाद चारों और आग की लपटें और धुआं उठ रहा था। रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने एक बयान में कहा कि इसके लिए पश्चिम में यूक्रेन के समर्थक ही जिम्मेदार हैं। रूस की संसद के दोनों सदनों के अध्यक्षों सहित वरिष्ठ राजनेताओं ने कीव की निंदा की।खेरसॉन यूक्रेन के उन चार इलाकों में से एक है जिन पर रूस ने 2022 में अपना दावा किया था। यूक्रेन के एक सैन्य प्रवक्ता ने गुरुवार को रूस के इंटरफैक्स समाचार को बताया कि वह केवल दुश्मन के सैन्य ठिकानों, ईंधन और ऊर्जा सुविधाओं और अन्य वैध लक्ष्यों पर हमला करता है।विदेश मंत्रालय ने बताया कि रूस के नियंत्रण वाले दक्षिणी खेरसोन इलाके में यूक्रेन ने इस हमले को अंजाम दिया। रूसी सरकार की ओर से नियुक्त क्षेत्रीय गवर्नर व्लादिमीर साल्डो ने यूक्रेन पर आतंकवादी हमला करने का आरोप लगाया।

नए साल पर जयशंकर के लिए बलूचिस्तान से आया खुला पत्र, लिखा- पाकिस्तान को उखाड़ फेंको, हम भारत के साथ

इस्लामाबाद ,06 जनवरी (एजेंसी)। बलूचिस्तान के निर्वासित नेता मीर यार बलोच ने भारत के विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर को एक खुली चिट्ठी भेजी है। इस चिट्ठी में उन्होंने बलूचिस्तान के छह करोड़ लोगों की तरफ से भारत को नए साल की शुभकामनाएं दीं। साथ ही चीन के बढ़ते खतरे के प्रति भी आगाह किया।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान के निर्वासित बलोच नेता मीर यार बलोच ने भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर को एक खुला पत्र लिखा है। इस ओपन लेटर में मीर यार बलोच ने भारत और बलूचिस्तान के बीच ऐतिहासिक संबंधों के बारे में बताते हुए सहयोग बढ़ाने की अपील की। उन्होंने बलूचिस्तान के छह करोड़ नागरिकों की ओर से भारत के 140 करोड़ लोगों को नए साल की शुभकामनाएं दीं। इस खुले पत्र में एक ओर मीर यार बलोच ने भारत और बलूचिस्तान के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, धार्मिक और वाणिज्यिक रिश्तों का जिक्र किया। इसके साथ ही उन्होंने भारत से पाकिस्तान को जड़ से उखाड़ फेंकने की मांग भी कर डाली। बलोच नेता ने कहा कि इस मामले में बलूचिस्तान का हर नागरिक भारत के साथ है। इस खुले पत्र में बलोच नेता ने लिखा,

हिंगलाज माता मंदिर जैसे पवित्र स्थल हमारी साझा विरासत के प्रतीक हैं।ऑपरेशन सिंदूर के लिए मोदी सरकार की तारीफ की बलोच नेता ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत द्वारा शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर की तारीफ की और मोदी सरकार की साहसिक और दृढ़ कार्रवाई की सराहना की। उन्होंने लिखा, बलूचिस्तान के लोग बीते 69 वर्षों से पाकिस्तान का दमन झेल रहे हैं। अब समय आ गया है कि इस गंभीर समस्या को जड़ से उखाड़ फेंका जाए और हमारे देश की संप्रभुता सुनिश्चित की जाए। चिट्ठी में चीन और पाकिस्तान के बढ़ते गठजोड़ पर चिंता जताई गई है और कहा गया है कि अगर बलूचिस्तान की स्वतंत्र सेनाओं को जल्द ही मजबूत नहीं किया गया तो हो सकता है कि चीन यहां अपने सैनिक तैनात कर दे। बलूचिस्तान में चीनी सैनिकों की उपस्थिति भविष्य में भारत और बलूचिस्तान दोनों के लिए खतरा और चुनौती होगी।

सात लोगों की मौत, कई इमारतें बुरी तरह क्षतिग्रस्त, ईरान में व्यापक विरोध प्रदर्शनों के पीछे क्या है वजह

तेहरान,06 जनवरी (एजेंसी)। ईरान में साल 2022 के बाद एक बार फिर व्यापक प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। मुद्रा में लगातार गिरावट, भारी महंगाई और रोजगार के मुद्दे पर लोग सड़कों पर उतर आए हैं। प्रदर्शन में दस विश्वविद्यालयों के छात्र भी शामिल हुए हैं, जिससे यह प्रदर्शन अब तेजी से देश के अन्य हिस्सों में भी फैल रहे हैं।

ईरान में रविवार से जारी ताजा विरोध प्रदर्शनों के दौरान सुरक्षा बलों और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़पों में लोगों की मौत हो गई है। ये प्रदर्शन पहले राजधानी तेहरान में शुरू हुए और बाद में अन्य जगहों तक फैल गए, जब दस विश्वविद्यालयों के छात्रों ने मंगलवार को इसमें भाग लिया। विरोध प्रदर्शन की वजह आर्थिक मंदी और भारी महंगाई है, जो दिसंबर में 42.5 फीसदी तक पहुंच गई।

क्यों हो रहे विरोध प्रदर्शन?

ताजा विरोध प्रदर्श रविवार को तब शुरू हुए, जब दुकानदार मुद्रा में तेज गिरावट और बढ़ती कीमतों के कारण सरकार के खिलाफ सड़कों पर उतर आए। व्यापारी, दुकानदार और कई विश्वविद्यालयों के छात्र प्रदर्शन कर रहे हैं और प्रमुख बाजारों को बंद कर रहे हैं। बुधवार को सरकार ने सर्दियों की छुट्टी घोषित की, जिससे देश का अधिकांश हिस्सा बंद रहा।

ईरान की फार्स न्यूज एजेंसी ने बताया कि प्रदर्शनकारियों ने पथराव किया और कई इमारतें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। पुलिसने कई लोगों को गिरफ्तार किया है। ईरान की अर्थव्यवस्था पर वर्षों से अमेरिकी और

पश्चिमी प्रतिबंधों का दबाव रहा है। इनमें ज्यादातर प्रतिबंध तेहरान के परमाणु कार्यक्रम से जुड़े हैं। जून में इस्राइल के साथ 12 दिन के संघर्ष ने वित्तीय स्थिति और कमजोर कर दी।

लोरेस्तान प्रांत के उप राज्यपाल सईद पौराली ने ईरानी न्यूज एजेंसी स्टूडेंट न्यूज नेटवर्क को बताया कि ये प्रदर्शन आर्थिक दबाव, महंगाई और मुद्रा में उतार-चढ़ाव के कारण हो रहे हैं और यह आजीविका की चिंताओं से जुड़े प्रदर्शन हैं। ये प्रदर्शन आर्थिक कारणों से प्रेरित हैं। लेकिन कई प्रदर्शनकारियों ने ईरान की शासन प्रणाली के खिलाफ भी नारे लगाए हैं। सप्ताह की शुरुआत में एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसमें एक व्यक्ति तेहरान की सड़क के बीचोंबीच बैठा दिखा और सामने मोटरसाइकिल पर पुलिस थी। कई लोगों ने इसकी तुलना 'तियानमेन' के आंदोलन से की। साल1989 में बीजिंग के तियानमेन में टैंक के सामने एक अकेला प्रदर्शनकारी खड़ा हुआ था, जिसकी तस्वीर पूरी दुनिया में चर्चा का विषय बनी थी। वीडियो में व्यक्ति जमीन पर बैठा शांत दिख रहा है, सिर झुका हुआ है और फिर अपने सिर पर जैकेट डालता है, जबकि उसके पीछे भीड़ आंसू गैस के धुएं में दौड़ रही है।हाल के विरोध प्रदर्शन 2022 में हुए बड़े विरोध प्रदर्शनों से छोटे हैं। 2022 में महसा अमीनी की हिरासत में मौत के बाद प्रदर्शन हुए थे। महिलाओं के लिए ईरान के सख्त ड्रेस कोड का उल्लंघन करने के आरोप में अमीनी को गिरफ्तार किया गया था। उनकी मौत के बाद पूरे देश में भारी आक्रोश फैला था, जिसमें सैकड़ों लोग मारे गए थे, जिनमें सुरक्षाकर्मी भी शामिल थे।राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान के नेतृत्व वाली ईरान की नागरिक सरकार ने प्रदर्शनकारियों से संवाद करने की इच्छा दिखाई है। उन्होंने कहा, इस्लामी दृष्टिकोण से...अगर हम लोगों की आजीविका के मुद्दे को हल नहीं करेंगे, तो हम जहन्नुम (नर्क) में जाएंगे। यह बयान राज्य टीवी पर प्रसारित किया गया। हालांकि, पेजेशकियान ने माना कि उनके विकल्प सीमित हैं, क्योंकि रियाल की कीमत तेजी से गिर गई है। वर्तमान में एक अमेरिकी डॉलर की कीमत लगभग 14 लाख रियाल है।

सम्पादकीय...

भारत विरुद्ध षड्यंत्र

न्यूयॉर्क शहर के मेयर जोहरान ममदानी ने तिहाड़ जेल में बंद छात्र एक्टीविस्ट उमर खालिद को हाथ से लिखी एक चिट्ठी भेजी है। गौरतलब है कि जे.एन.यू. के पूर्व छात्र पर यू.ए.पी.ए. कानून के तहत मामला चल रहा है। यह चिट्ठी ममदानी के 1 जनवरी, 2026 को मेयर पद की शपथ लेने के बाद सामने आई है। लैटर में ममदानी ने उमर के लिए एकजुटता और समर्थन जताया। ममदानी ने लिखा, 'डियर उमर, मैं अक्सर तुम्हारे उन शब्दों को याद करता हूं जिनमें तुमने कड़वाहट को खुद पर हावी न होने देने की बात कही थी। तुम्हारे माता-पिता से मिलकर खुशी हुई। हमें तुम्हारी चिंता है।' जोहरान ममदानी की यह चिट्ठी दिसम्बर, 2025 में खालिद के माता-पिता को उनकी अमरीकी यात्रा के दौरान सौंपी गई थी। खालिद की साथी बनोज्योत्सना लाहिड़ी ने इसे सोशल मीडिया पर शेयर किया। ममदानी के बाद अब 8 अमरीकी सांसद खालिद के समर्थन में आ गए हैं। सांसदों ने भारतीय सरकार से अंतर्राष्ट्रीय कानून के अनुसार खालिद के केस की सुनवाई करने की मांग करते हुए पत्र लिखा। हाऊस रूल्स कमेटी के रैंकिंग सदस्य और टॉम लैटोस ह्यूमन राइट कमेटी के को-प्रेजीडेंट, डेमोक्रेट जिम मैकगवर्न ने कहा कि खालिद को जमानत दी जाए। अमेरिका में बैठे आतंकी संगठन सिख्स फॉर जस्टिस के स्वयंभू मुखिया गुरपतवंत सिंह पन्नू ने अपनी ताजा जारी एक वीडियो में पंजाब के युवाओं को निशाना बनाते हुए 12 जनवरी से राज्य की शिक्षण संस्थाओं में राष्ट्रीय गान 'जन-गण-मन' न बजने देने की धमकी दी है। वीडियो संदेश में पन्नू ने दावा किया कि वह राष्ट्रीय गान के स्थान पर 'देह शिवा बर मोहे' चलवाने की योजना बना रहा है। इसके साथ ही उसने पंजाब से हिन्दी भाषा हटाने की भी बात कही और युवाओं से एस.जे.एफ. की गतिविधियों से जुड़ने की अपील की। अपने बयान में पन्नू ने अलगाववादी भाषा का इस्तेमाल करते हुए पंजाब को भारत के अधीन बताया और राज्य को अलग देश बनाने की बात कही। युवाओं को भड़काने के उद्देश्य से पन्नू ने यहां तक कहा कि यदि परिवार या सरकार एस.जे.एफ. से जुड़ने से रोके, तो उनसे सवाल किया जाए। उसने 2026 में पंजाब को अलग देश बनाने के लिए तथाकथित रैफरैंडम कराने की भी बात दोहराई। पाकिस्तान, बांग्लादेश और चीन के साथ-साथ अमेरिका भी भारत विरुद्ध षड्यंत्र रच रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा भारत व पाकिस्तान के बीच युद्ध रुकवाने के दावे को भारत द्वारा खारिज किया जाने के बाद ट्रंप प्रधानमंत्री मोदी को नीचा दिखाने के प्रयास में है। कभी वह पाकिस्तान के साथ नजदीकियां बढ़ाते दिखाई देते हैं तो कभी टैरिफ की दरें बढ़ाकर मोदी सरकार पर दबाव बढ़ाने के प्रयास में है। अमेरिका से ममदानी का पत्र और पन्नू द्वारा जारी वीडियो भी उसी दिशा में उठे कदम है। अमेरिका, चीन, पाकिस्तान व बांग्लादेश द्वारा भारत विरुद्ध रचे जा रहे षडयंत्रों का उद्देश्य मोदी सरकार को कमजोर करना ही है। इस बात को समझते हुए भारतवासियों और भारत सरकार दोनों को देश हित में बहुत सतर्क हो चलने की आवश्यकता है।

सिखों के दशम गुरु—गुरु गोविंद सिंह

अशोक प्रवृद्ध

उन्होंने देश, धर्म और स्वतंत्रता की रक्षा के लिए सिखों को संगठित किया और उन्हें सैनिक परिवेश में ढाला। मान्यता है कि धर्म और न्याय की प्रतिष्ठा के लिए गुरु गोविंद सिंह का अवतरण हुआ था। इसी उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा था — मुझे परमेश्वर ने दुष्टों का नाश करने और धर्म की स्थापना के लिए भेजा है।

सिख धर्म के सर्वाधिक वीर योद्धा और निर्बलों को अमृतपान कर शस्त्रधारी बनाकर उनमें वीर रस भरने वाले सिख समुदाय के दसवें और अंतिम धर्मगुरु (सतगुरु) गुरु गोविंद सिंह (22 दिसम्बर, 1666 ई. — पटना, बिहार; 7 अक्टूबर, 1708 ई. — नांदेड़, महाराष्ट्र) न केवल सिखों के सैनिक संगति और ख़ालसा के सृजन के लिए प्रसिद्ध हैं, बल्कि वे उस ऐतिहासिक निर्णय के लिए भी लोकप्रसिद्ध हैं कि अब सिख पंथ में देहधारी गुरु की परंपरा समाप्त हो और गुरु ग्रंथ साहिब ही सर्वमान्य गुरु हो।

गुरु गोविंद सिंह ने सर्वप्रथम खालसा पंथ में सिंह उपनाम लगाने की शुरुआत की। उन्होंने आदेश दिया कि आगे से कोई भी देहधारी गुरु नहीं होगा — गुरु की वाणी और गुरु ग्रंथ साहिब ही सिखों के लिए गुरु की भूमिका रखेंगे। एक प्रवीण कवि के रूप में गुरु गोविंद सिंह ने समय के अनुकूल योगियों, पंडितों और संतों के लिए बाणी की रचना की, जिसे बाद में बेअंत बाणी कहा गया।

ऐसे महान योद्धा और गुरु का जन्म मुगल शासन के समय पौष शुदी सप्तमी संवत 1723 (तदनुसार 22 दिसम्बर, 1666) को पटना शहर में गुरु तेग बहादुर और माता गुजरी के घर हुआ। उनका नाम गोविंद राय रखा गया। उनके जन्म पर पूरे शहर में उत्सव मनाया गया।

बचपन में गोविंद को खिलौनों से खेलना पसंद था, लेकिन वे तलवार, कृपाण, धनुष बाण से खेलने में भी रुचि रखते थे। बाल्यकाल से ही वे अत्यंत शरारती थे, परन्तु दूसरों को कष्ट नहीं देते थे। एक किस्सा प्रसिद्ध है कि वे सूत काटने वाली एक निसंतान वृद्धा के साथ शरारत करते थे — उसकी सूत की पूनियाँ बिखेर देते थे। जब वृद्धा उनके माता पिता के पास शिकायत लेकर जाती थी, तो माता गुजरी पैसे देकर उसे खुश कर देती थीं। एक बार माता गुजरी ने गोविंद से कारण पूछा कि तुम वृद्धा को तंग क्यों करते हो? गोविंद ने सहज भाव से कहा कि वह उसकी गरीबी दूर करना चाहता है — क्योंकि अगर मैं उसे परेशान नहीं करूंगा, तो उसे पैसे कैसे मिलेंगे?

गोविंद राय को सैन्य जीवन का लगाव अपने दादा गुरु हरगोबिन्द सिंह से मिला था और उन्हें महान बौद्धिक संपदा भी विरासत में मिली थी। बहुभाषाविद गुरु गोविंद सिंह को फ़ारसी, अरबी, संस्कृत और पंजाबी भाषाओं का अच्छा ज्ञान था। उन्होंने सिख क़ानून को सूत्रबद्ध किया, काव्य रचना की, और सिख ग्रंथ दसम ग्रंथ (दसवाँ खंड) लिखकर प्रसिद्धि पाई।

उन्होंने देश, धर्म और स्वतंत्रता की रक्षा के लिए सिखों को संगठित किया और उन्हें सैनिक परिवेश में ढाला। मान्यता है कि धर्म और न्याय की प्रतिष्ठा के लिए गुरु गोविंद सिंह का अवतरण हुआ था। इसी उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा था — मुझे परमेश्वर ने दुष्टों का नाश करने और धर्म की स्थापना के लिए भेजा है। यही कारण है कि आज भी गुरु गोविंद सिंह के जन्म उत्सव को गुरु गोविंद जयंती के रूप में श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। इस शुभ अवसर पर गुरुद्वारों में भव्य कार्यक्रमों के साथ गुरु ग्रंथ साहिब का पाठ होता है और अंत में सामूहिक भंडारा यानी लंगर का आयोजन होता है।

नवीन मत के अनुसार 2026 में गुरु गोविंद सिंह जयंती 5 जनवरी को मनाई जाएगी। खालसा पंथ में विशेष महत्त्व रखने वाले इस अवसर पर उनके जन्म स्थल पटना साहिब तथा आनंदपुर साहिब (गुरुद्वारा केशगढ़ साहिब) और अन्य स्थानों पर जयंती अत्यधिक धूमधाम से मनाई जाती है।

अपने पिता गुरु तेग बहादुर की बलिदान के बाद, जब वे केवल 9 वर्ष के थे, तो बालक गोविंद राय को गुरु गद्दी संभालनी पड़ी। गुरु की गरिमा बनाए रखने के लिए उन्होंने अपना ज्ञान बढ़ाया और संस्कृत, फ़ारसी, पंजाबी और अरबी भाषाएं सीखीं। उन्होंने धनुष बाण, तलवार, भाला आदि हथियार चलाने की कला भी सीखी। उन्होंने अन्य सिखों को भी अस्त्र शस्त्र चलाना सिखाया। सिखों को अपने धर्म, जन्मभूमि और अपनी रक्षा के लिए संकल्पबद्ध किया और उन्हें मानवता का पाठ पढ़ाया। उनका नारा था — सत श्री अकाल।

जाति भेद और सम्प्रदायवाद को जड़ से समाप्त करने हेतु गुरु गोविंद सिंह ने एक क्रांतिकारी कदम उठाया। देश के अलग अलग भागों तथा समाज के विभिन्न जातियों और सम्प्रदायों से आए पांच प्यारे — जिन्हें पंच प्यारे के नाम से जाना जाता है — को एक ही कटोरे में अमृत पिला कर एक किया गया। इस क्रांति के बीज से उन्होंने जाति भेद तथा सम्प्रदायवाद को मिटाया।

परंपरा के अनुसार, पंजाब में फ़सल की कटाई पहली बैसाख को ही शुरू होती है और देश के अन्य हिस्सों में भी इसी दिन फ़सल कटाई का त्योहार मनाया जाता है। इसमें कोई अतिशयोक्ति नहीं कि बैसाखी दिवस को गुरु गोविंद सिंह के जीवन के आदर्शों को देश, समाज और मानवता की भलाई के लिए प्रेरणा मानकर श्रद्धापूर्वक मनाने से आतंकवाद तथा हमलावरों का सामना किया जा सकता है। गुरु गोविंद सिंह ने सिखों में युद्ध की भावना तथा जीवन का उत्साह बढ़ाने के लिए अनेक कदम उठाए। उन्होंने वीर काव्य और संगीत का सृजन किया और सिखों में लौह कृपा अर्थात कृपाण के प्रति प्रेम विकसित किया। खालसा को पुनः संगठित सिख सेना का मार्गदर्शक बनाकर उन्होंने दो मोर्चों पर शत्रुओं के खिलाफ क़दम उठाए — पहला मुग़लों के खिलाफ फ़ौज, और दूसरा विरोधी पहाड़ी जनजातियों के खिलाफ युद्ध। उनकी सैन्य टुकड़ियाँ सिख आदर्शों के प्रति पूरी तरह समर्पित थीं और सिखों की धार्मिक तथा राजनीतिक स्वतंत्रता के लिए सब कुछ दांव पर लगाने को तैयार थीं। लेकिन गुरु गोविंद सिंह को इस स्वतंत्रता की भारी कीमत चुकानी पड़ी। अंबाला के पास एक युद्ध में उनके चारों बेटे मारे गए।

(यह लेखक के अपने विचार है)

मुक्त व्यापार समझौते में कृषि का बचाव

डा. अश्विनी महाजन

कुछ दिन पहले भारत ने न्यूजीलैंड के साथ एक मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इससे पहले भारत ऑस्ट्रेलिया, यूनाइटेड किंगडम (यूके), संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), यूरोपियन फ्री ट्रेड एसोसिएशन, ओमान तथा अन्य देशों के साथ भी एफटीए कर चुका है। अंतराष्ट्रीय स्तर पर इस बात को कुछ हैरानी से देखा जा रहा है, जबकि नवंबर 2019 में भारत ने स्वयं को रीजनल कॉम्प्रिहेंसिव इकोनॉमिक पार्टनरशिप (आरसीईपी) से बाहर कर लिया था, जहां ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड दोनों शामिल थे। ऐसे में यह प्रश्न उठता है कि भारत ने अब इन्हीं देशों के साथ अलग-अलग एफटीए कैसे कर लिए। आरसीईपी एक प्रस्तावित व्यापक व्यापार समझौता था, जिसमें मुक्त व्यापार से जुड़े प्रावधान शामिल थे। इसमें 16 देश- 10 आसियान देश, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, जापान, दक्षिण कोरिया, चीन और भारत भागीदार थे। इस समझौते पर लगभग आठ वर्षों तक बातचीत चली। आम तौर पर यह माना जाता है कि भारत ने आरसीईपी से बाहर निकलने का निर्णय इसलिए लिया क्योंकि समझौते का अंतिम प्रारूप भारत की अपेक्षाओं और हितों के अनुरूप नहीं था। 4 नवंबर 2019 को आरसीईपी शिखर सम्मेलन में भाग लेते हुए प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया कि उनकी अंतरात्मा उन्हें इस समझौते पर हस्ताक्षर करने की अनुमति नहीं देती।

उन्होंने यह भी कहा कि महात्मा गांधी की शिक्षाओं ने उन्हें इस समझौते से पीछे हटने के लिए प्रेरित किया। अब सवाल यह है कि प्रधानमंत्री को अंतिम क्षण में इस समझौते से पीछे हटने का साहसिक कदम कैसे लिया? संभवतः यह विश्व इतिहास में पहली बार था जब किसी सरकार के मुखिया ने वर्षों की बातचीत और अंतिम मसौदा तैयार होने के बाद भी, शिखर सम्मेलन में अन्य सभी नेताओं के सामने यह घोषणा की कि उनका देश इस समझौते में शामिल नहीं होगा। वास्तव में, डेयरी और कृषि ऐसे दो प्रमुख क्षेत्र थे, जिन पर भारत ने कठोर रुख अपनाया। न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया की मांग थी कि आरसीईपी के सदस्य देश अपने डेयरी और कृषि बाजारों को अन्य देशों के लिए खोलें। आरसीईपी से भारत के बाहर निकलने और बाद में ऑस्ट्रेलिया तथा न्यूजीलैंड के साथ अलग-अलग मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) करने के बीच जो विरोधाभास दिखाई देता है, उसे समझने के लिए आरसीईपी की संरचना को समझना आवश्यक है। आरसीईपी में जो 16 देश शामिल थे, इनमें से 10 आसियान देशों के साथ भारत के पहले से ही मुक्त व्यापार समझौते मौजूद थे। इसके अलावा जापान और दक्षिण कोरिया के साथ भी भारत के एफटीए पहले से लागू थे। वहीं, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के साथ भी भारत की द्विपक्षीय एफटीए वार्ताएं अलग-अलग चल रही थीं। इस परिप्रेक्ष्य में केवल एक ही ऐसा देश बचता था, जिसके साथ मुक्त व्यापार समझौता भारत के लिए गंभीर जोखिम माना जा रहा था, और वह देश था चीन। इसलिए भारत ने आरसीईपी जैसे बहुपक्षीय समझौते से बाहर निकलने का विवेकपूर्ण निर्णय लिया और इसके बजाय ऑस्ट्रेलिया तथा न्यूजीलैंड के साथ अलग-अलग, द्विपक्षीय समझौते करने का रास्ता चुना। जब भारत ने अप्रैल 2022 में ऑस्ट्रेलिया के साथ एफटीए पर हस्ताक्षर किए, तो कई लोगों को हैरानी हुई कि कृषि और डेयरी को बाहर रखते हुए यह समझौता कैसे किया गया। हालांकि, इस कदम की व्यापक सराहना भी हुई। अब जब न्यूजीलैंड के साथ भी मुक्त व्यापार समझौता किया गया है, और उसमें भी कृषि तथा डेयरी क्षेत्रों को बाहर रखा गया है, तो यह दृष्टिकोण और अधिक पुष्ट हो जाता है कि भारत मुक्त व्यापार समझौतों पर बातचीत करते समय अत्यंत सतर्क रहा है और उसने संवेदनशील क्षेत्रों, विशेष रूप से कृषि और डेयरी को बाहर रखने में सफलता हासिल की है। अब प्रश्न यह उठता है कि भारत जैसे देश के लिए कृषि और डेयरी की सुरक्षा को इतना महत्वपूर्ण क्यों माना गया है? आलोचक अक्सर तर्क देते हैं कि यदि कृषि और डेयरी को मुक्त व्यापार समझौतों में शामिल किया जाए, तो इससे भारतीय कृषि और डेयरी की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ेगी। उनका यह भी कहना है कि जब भारत दुनिया का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक देश है, तो उसे विदेशी प्रतिस्पर्धा से डरने की आवश्यकता नहीं होनी चाहिए।

आजीविका और खाद्य सुरक्षा : संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) के आंकड़ों के अनुसार, भारत के कुल दुग्ध उत्पादन का लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा छोटे और सीमांत किसानों तथा भूमिहीन श्रमिकों से आता है, जिनके पास औसतन केवल एक या दो दुधारू पशु होते हैं। इनके लिए दूध केवल अतिरिक्त आय का साधन नहीं, बल्कि रोजमर्रा के जीवन का आधार है। यह ध्यान देने योग्य है कि भारत की लगभग आधी आबादी कृषि पर निर्भर है और 8 करोड़ से अधिक परिवार यानी 36 करोड़ लोग डेयरी क्षेत्र से जुड़े हैं। इसके विपरीत, अमेरिका और न्यूजीलैंड जैसे देशों में डेयरी एक व्यापार-केंद्रित उद्योग है, जहां उत्पादन का उद्देश्य मुख्यतः निर्यात और मुनाफा होता है, न कि व्यापक ग्रामीण आजीविका। निस्संदेह, भारत को दुनिया का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक होने का गौरव प्राप्त है। मात्रा की दृष्टि से देखें, तो लीटर में दुग्ध उत्पादन कई प्रमुख कृषि फसलों के किलोग्राम में उत्पादन से भी अधिक है। भारत में अधिक दूध उत्पादन के पीछे प्रमुख कारण यह है कि देश में दुग्ध उत्पादों, विशेषकर दूध, के दाम अपेक्षाकृत लाभकारी हैं, जिससे छोटे उत्पादकों को उत्पादन के लिए प्रोत्साहन मिलता है।

(यह लेखक के अपने विचार है)

प्रतिभा नहीं काफी पर्याप्त

यह प्रश्न हमेशा मौजूद रहा है कि भारत पदक तालिका में अपनी मौजूदा दयनीय स्थिति से कैसे उबरे। बिंद्रा समिति इसका मूलमंत्र बताया है कि खेल प्रशासन को पेशेवर बनाना, जिसमें जवाबदेही तय करने की करने की ठोस व्यवस्था हो।

सिर्फ प्रतिभा की बदौलत अंतराष्ट्रीय स्तर पर खेल में सफलता कभी- कभार ही मिल सकती है। निरंतरता लानी हो, तो उसका राज़ पेशेवर नजरिया है। ओलिंपिक या अन्य खेल आयोजनों में पदक जीतने के ऐसे नजरिए से संचालित सिस्टम अपरिहार्य है। यह सार-संक्षेप है कि 170 पेज की रिपोर्ट का, जिसे ओलिंपिक खेलों में भारत के पहले व्यक्तिगत स्वर्ण पदक विजेता अभिनव बिंद्रा के नेतृत्व वाली कमेटी ने तैयार किया है। अंतराष्ट्रीय स्तर पर खेलों में भारत का प्रदर्शन कैसे बेहतर हो, इस पर सुझाव देने के लिए यह समिति केंद्रीय खेल मंत्रालय ने बनाई थी। भारत ने 2036 के ओलिंपिक खेलों की मेजबानी का दावा पेश किया हुआ है। संभवतः उसके मद्देनजर सरकार ने विशेष तैयारी की जरूरत महसूस की है।

बहरहाल, आयोजन भारत में हो या नहीं, यह कठिन प्रश्न तो हमेशा ही मौजूद रहा है कि भारत पदक तालिका में अपनी मौजूदा दयनीय स्थिति से कैसे उबरे। बिंद्रा समिति इसका मूलमंत्र बताया है कि खेल प्रशासन को पेशेवर बनाना, जो देश की वास्तविक खेल क्षमता के बारे में स्पष्ट राष्ट्रीय खाका बना सके और खिलाड़ियों की प्रगति का आकलन कर सके। साथ ही जिसमें जवाबदेही तय करने की करने की कारगर व्यवस्था हो। प्रतिभाओं को तराशने के लिए समिति ने नेशनल काउंसिल फॉर स्पोर्ट्स एजुकेशन एंड कैपेसिटी बिल्डिंग नाम की संस्था बनाने का सुझाव दिया है। साथ ही खेल प्रशासन से जुड़ी मौजूदा संस्थाओं को पेशेवर बनाने की सिफारिश की है।

सार यह है कि समिति ने देश में खेल ढांचा निर्मित करने की वकालत की है। यह नजरिया उससे बिल्कुल अलग है, जिसके तहत 2016 में नीति आयोग ने टॉप्स योजना (टारगेट ओलंपिक्स पोडियम स्कीम) बनाई थी। सोच यह थी कि व्यक्तिगत प्रतिभाओं को पहचान कर उन्हें ओलिंपिक पदक के लिए तैयार किया जाए। इसके तहत 2024 तक 50 पदक जीतने का लक्ष्य रखा गया, लेकिन असल में छह पदक मिले, जिनमें स्वर्ण पदक एक भी नहीं था। तो अब बिंद्रा समिति ने नजरिया बदलने का सुझाव दिया है। क्या इस पर अमल होगा? कहना कठिन है, क्योंकि पेशेवर नजरिया और जवाबदेही जैसे शब्द फिलहाल हमारे शब्दकोश में नहीं हैं।

असल 'धुरंधर' अमेरिका

हरिशंकर व्यास

यह तारीख़ नहीं है। वह सत्यमेव जयते है, जिसका आधार बुद्धि ज्ञान और सैन्य शक्ति, दोनों के एवरेस्ट की वाह है। अमेरिका ने सन् 2025-26 में दिमाग से कृत्रिम बुद्धि को स्थापित कर जहां मानवता को चमत्कृत किया, वहीं तीन जनवरी 2026 की रात में उसके सैन्य बल ने वेनेज़ुएला देश के राष्ट्रपति को उठा कर विश्व को चौंकाया। व्यर्थ है इसके लिए डोनाल्ड ट्रंप को 'धुरंधर' बताना। असल सत्य ढाई सौ साल पुराने अमेरिका के उस संविधान, उस व्यवस्था का है, जिसमें असंभव को संभव बनाने का डीएनए व्यक्तिगत स्वतंत्रता के सांचे की धुन में निहित है। यह व्यवस्था की वह बुनावट है, जिसमें हर व्यक्ति असंभव को संभव बनाने के अवसर को खोजता है, लपकता है और उसमें अपने को खपाता है।

भारत में हम लोग व्यक्तियों, चेहरों यानी राष्ट्रपतियों, नेताओं को ताकते हैं, जबकि धुरंधरी व्यवस्था से बनती है। सिस्टम से उत्प्रेरित व्यक्तिगत मानसिकता, वृत्ति और आचरण से ही फिर अर्थ (पूंजीवाद, नवाचार, तकनीक, वित्तीय धुरी), काम (इच्छा, व्यक्तिगत भोग, उपभोक्तावाद, प्रतिस्पर्धा, जुनून, विलासिता) तथा धर्म की सार्वभौमिक, सेक्युलर समझ पैदा है। निश्चित ही खांटी अमेरिकी लोग परलोक, जन्म जन्मांतर या मोक्ष मुक्ति की धारणाओं में नहीं जीते हैं। वे वर्तमान के सत्य में जीते हैं। वहां के नागरिक अंधविश्वासों, टोने टोटकों, भक्ति और झूठ से लगभग मुक्त हैं। वे अतीत में नहीं, आधुनिकता में आगे बढ़ते जाने के लिए सतत हाथ पांव मारते हैं।

इसलिए डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिका में भी वही है, जो जॉर्ज डब्ल्यू बुश, बराक ओबामा या राष्ट्रपति आइज़नहावर और उनके विदेश मंत्री जॉन फोस्टर डलेस के 'डोनरो डॉक्ट्रिन' के शक्ति सूत्र में था। वेनेज़ुएला के ताज़ा प्रकरण में मुझे राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की कद काठी, भाव भंगिमा, बड़बोलेपन से बार बार सद्दाम हुसैन, कर्नल गद्दाफ़ी, ओसामा बिन लादेन, इस्लामिक स्टेट के बग़दादी आदि वे चेहरे याद होते हैं, जो कथित शक्ति, क्रूरता, बर्बरता के सूरमा भोपाली थे (इतिहास में एक नाम हिटलर भी है)। ये सब किसके शिकार हुए?

अमेरिकी सैन्य ऑपरेशनों के। सही है कि इस काम में रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रपतियों की संख्या अधिक है, मगर डेमोक्रेटिक पार्टी के राष्ट्रपतियों ने भी संकोच नहीं किया। राष्ट्रपति बराक ओबामा ने ट्रंप के ताज़ा 'ऑपरेशन एब्सोल्यूट रिज़ॉल्व' की तरह ही 'ऑपरेशन नेप्च्यून स्पीयर' को हरी झंडी दी थी। पाकिस्तान के एबटाबाद में अमेरिका की नेवी सील टीम ने 9/11 हमलों के मास्टरमाइंड ओसामा को 1-2 मई 2011 की रात में मारने के ऑपरेशन को वैसे ही अंजाम दिया, जैसे इस तीन जनवरी की आधी रात को काराकास के राष्ट्रपति भवन में निकोलस मादुरो को दबोचने का सैन्य अभियान हुआ।

सो, ओबामा हों या डोनाल्ड ट्रंप, ये उस अमेरिकी व्यवस्था के प्रतिनिधि हैं, जिसमें ओलंपिक मेडल जीतना सामान्य बात है, तो सिलिकॉन वैली में कृत्रिम बुद्धि (एआई) की रचना का प्रतिमान भी सामान्य है; तो नौसेना की नेवी सील टीम हो या डेल्टा फ़ोर्स या सीआईए, सभी अपनी क्षमताओं का वह जज़्बा लिए होते हैं, जो वैयक्तिक धुन, टीम में पकती है और फिर बस उद्देश्य व कमांड की ज़रूरत होती है।

ऐसे जज़्बे वाले दूसरे देश का नाम इज़राइल है। इज़राइल की वजह यहूदियों का इतिहास बोध और संकल्प है। इज़राइल ने 1948 में गठन के बाद से व्यक्तिगत स्वतंत्रता के बूते ही अर्थ, धर्म, काम की मनुष्य वृत्तियों में नागरिकों और व्यवस्था को ऐसा बनाया है कि प्रधानमंत्री कोई हो, वह ज्ञात ख़तरों के प्रति कभी लापरवाह नहीं होता। इज़राइली व्यवस्था भी चेक बैलेंस में पाबंद है। नेतन्याहू हों या कोई प्रधानमंत्री, वे संस्थाओं और व्यवस्थाओं की स्वतंत्रता, जीवंतता का गला नहीं घोंटते। तभी ये दो ही देश हैं, जो विश्व राजनीति में बतौर धुरंधर बाकी सभी देशों को ठेंगा दिखाते हैं। ये जो चाहते हैं, वह करते हैं, फिर भले कोई इसे दादागीरी कहे या गुंडागर्दी!

सन् 2025 की जनवरी से इस तीन जनवरी की ताज़ा घटना में डोनाल्ड ट्रंप की पहचान मनमर्ज़ी की है। इससे अमेरिकी पहचान बिगड़ी, तो अमेरिका में भी आर पार की राजनीति के पाले बने हैं। मगर अमेरिका के हित की कसौटी में गौर करें, तो ट्रंप के फ़ैसले अर्थनीति, सैन्य क्षमता, उद्यमशीलता, सामाजिक संरचना, पूंजीवाद आदि, सभी कसौटियों में ठीक ही हैं। भाषा और तौर तरीकों का फ़र्क है; अन्यथा राष्ट्रहित में उनके वैश्विक फ़ैसलों (टैरिफ़ जंग, चीन को कसना, यूरोपीय देशों के सुरक्षा खर्च का बोझ घटाना, अपने से सटे दक्षिण अमेरिकी देशों यानी पश्चिमी गोलार्ध में अमेरिकी वर्चस्व की दादागीरी पर क्यों अमेरिका में कोई आपत्ति करेगा?

वेनेज़ुएला के तानाशाह राष्ट्रपति को उठवाने के बाद ट्रंप ने कहा है, अब से 'पश्चिमी गोलार्ध में अमेरिकी वर्चस्व पर फिर कभी सवाल नहीं उठेगा। अमेरिका बहुत लंबे समय से 'मुनरो डॉक्ट्रिन' पर अमल के प्रति लापरवाह था। अब से ऐसा नहीं होगा।' ध्यान रहे, 'मुनरो डॉक्ट्रिन' का उद्देश्य लैटिन अमेरिका से विदेशी शक्तियों को बाहर रखना है। मतलब पूंजीवादी अमेरिका को अपने पिछवाड़े या पड़ोस में सोवियत संघ, रूस, वामपंथियों का प्रभाव बर्दाश्त नहीं। इस नीति के कारण उन्नीसवीं सदी में अमेरिका ने पनामा, निकारागुआ, क्यूबा, बोलीविया, चिली, अर्जेंटीना आदि सभी देशों में हस्तक्षेप किया, सरकारें बदलीं, दक्षिणपंथी सरकारें बनवाईं। शीत युद्ध के दौरान क्यूबा पर तो अमेरिका और सोवियत संघ में ज़बरदस्त ठनी थी, जिसके समाधान में सोवियत संघ झुका, उसने क्यूबा से अपनी मिसाइलें हटाईं।

वे दिन वापिस लौट आए हैं। डोनाल्ड ट्रंप की घोषणा है कि अमेरिका अब वेनेज़ुएला को चलाएगा, यदि ज़रूरत पड़ी तो ज़मीन पर सैनिक उतार कर भी। वेनेज़ुएला के पास दुनिया के सबसे बड़े तेल भंडार हैं। उसकी कंपनियां बेहद विशाल संपदा निकालेंगी। अमेरिकी और वेनेज़ुएलावासी, दोनों की अमीरी बढ़ेगी। इसके साथ ट्रंप ने कोलंबिया और क्यूबा को भी धमकाया है। उन्होंने कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो पर कोकीन बनाकर उसे अमेरिका भेजने का आरोप लगाते हुए चेतावनी दी है कि वे अब अपने को बचाएं।

विश्व राजनीति में अपने इलाके में अपनी दबंगई की चाह हर महाबली को रही है। इसी कारण रूस के पुतिन ने यूक्रेन में पंगा बनाया। ऐसे ही चीन अपने प्रभाव क्षेत्र की ज़िद में है। हिसाब से दक्षिण एशिया में भारत का हित भी पड़ोसी देशों पर प्रभाव बनाए रखने से, बाहरी प्रभाव यानी चीन को बाहर रखे रखने में है। मगर भारत की व्यवस्था पोली है, चेहरे ठगने वाले हैं; इसलिए चीन को आंख दिखाना या अपने इलाके में अपने रुतबे की ताक़त ही नहीं है। लालबहादुर शास्त्री और इंदिरा गांधी (दोनों की कमान में दुनिया ने असल सैन्य क्षमता जानी थी) के अपवाद को छोड़, भारत की व्यवस्था और उसके तमाम प्रधानमंत्री या तो रक्षात्मक रहे हैं या जनता को दिखावे, शौर्य के ऑपरेशन बनाते हुए।

याद करें युगांडा के हवाईअड्डे से नागरिकों को छुड़वाने के इज़राइली ऑपरेशन को; या अमेरिका के पाकिस्तान में आतंकियों को मारने, ईरान के एटमी ठिकानों पर हमले; या वेनेज़ुएला के ताज़ा 'ऑपरेशन एब्सोल्यूट रिज़ॉल्व' के परिणामों को। और अब ज़रा प्रधानमंत्री मोदी के छप्पन इंची छाती की कमान में बने ऑपरेशनों पर ध्यान दें? उनके क़िस्से हैं, कहानियां हैं, फ़िल्में हैं, पर परिणाम शून्य। पिछले ग्यारह वर्षों में भारत ने उरी की छावनी में घुसपैठ देखी। वही पुलवामा की आतंकी भयावहता दहलाने वाली थी; तो पहलगाम में हत्याएं नृशंसम गर इन घटनाओं का एक भी दोषी, आतंकी अपराधी भारत की जेल में नहीं है। जबकि ट्रंप अभी कोकीन सप्लाई के आरोप में वेनेज़ुएला के राष्ट्रपति को उठवा कर न्यूयॉर्क की अदालत में पेश करने वाले हैं; उधर एटमी ख़तरे में ईरान के एटमी ठिकाने पाताल में धंसा दिए हैं। जबकि भारत की सूरमा एजेंसियां, धुरंधरों का बूता नहीं है जो वे दाऊद इब्राहिम को दबोचें या भारत में ख़ौफ़नाक घटनाओं के ज़िम्मेदार आतंकी, मौलाना मसूद अज़हर, हाफ़िज़ सईद, लखवी, कासकर को पाकिस्तान से उठा कर जेल में डालें।

बहरहाल, अमेरिका की एजेंसियां व संस्थाएं ठोस हैं, तो नतीजे भी असल और ठोस होंगे। वेनेज़ुएला के ऑपरेशन की गूंज चीन रूस को भी हैसियत बताने वाली है। दोनों देशों के दांव पांव फूलेंगे। वेनेज़ुएला का राष्ट्रपति रूस के भरोसे था; सो, फिर साबित है कि रूस या चीन में वह क्षमता ही नहीं कि किसी के लिए वे अमेरिका से भिड़ें। चीन आज बैटरी यानी ईवी वाहनों के उत्पादनों से वैश्विक बाज़ार में जो डंका बजाए हुए है, उस पर संकट आ सकता है। इसका अधिकांश कच्चा माल, लिथियम, निकल, कोबाल्ट, ग्रेफाइट—दक्षिण अमेरिका की खदानों से (चिली, अर्जेंटीना और बोलीविया के 'लिथियम ट्रायंगल' व ब्राज़ील की 'लिथियम वैली') मिलता है। सो, असंभव नहीं कि ट्रंप प्रशासन अपने रुतबे में चीन की सप्लाई रुकवाए। अमेरिकी विदेश रक्षा नीति में 'मुनरो डॉक्ट्रिन' पर अमल का संकल्प ठोस हुआ, तो सर्वाधिक प्रभावित चीन होगा।

(यह लेखक के अपने विचार है)

मुंबई बीएमसी चुनावः शिवसेना-मनसे का घोषणापत्र, मुफ्त बिजली और मासिक भत्ते का वादा

महू की सैन्य फायरिंग रेंज में फिर धमाका : बम विस्फोट से बुजुर्ग गंभीर घायल, 15 दिन में तीसरी घटना से दहशत

इंदौर, 06 जनवरी [एजेंसी]। महू तहसील के बड़गोंदा थाना क्षेत्र अंतर्गत सेना की फायरिंग रेंज में रविवार को एक बार फिर बम विस्फोट की घटना सामने आई है। बेरछा रेंज के जंगल में हुए धमाके में एक बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन उसे इलाज के लिए महू के मध्यभारत अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां प्रारंभ में घटना को सामान्य दुर्घटना बताया गया ।हालांकि, घायल के शरीर पर जले हुए गहरे घाव देखकर चिकित्सकों को विस्फोट की आशंका हुई। उन्होंने तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित करने के साथ ही पुलिस को भी जानकारी दी। पिछले 15 दिनों में बम विस्फोट से ग्रामीण के घायल होने की यह तीसरी घटना है, जिससे क्षेत्र में भय और दहशत का माहौल बन गया है। इससे पहले बम विस्फोट में एक 15 वर्षीय किशोर की जान जा चुकी है, जबकि एक अन्य मामले में बुजुर्ग महिला घायल हुई थी ।पुलिस के अनुसार घायल की पहचान गोपाल पुत्र मनीराम, निवासी ग्राम केलोद के रूप में हुई है। रविवार देर शाम घटना के बाद स्वजन उसे मध्यभारत अस्पताल लेकर पहुंचे और बताया कि वह दोपहिया वाहन से गिरकर घायल हो गया है। प्राथमिक उपचार के दौरान चिकित्सकों ने उसके शरीर पर जलने के निशान, गहरे घाव और अत्यधिक रक्तस्राव देखा, जिससे विस्फोट की आशंका पुख्ता हुई और पुलिस को सूचना दी गई ।घायल की गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने उसे इंदौर रेफर कर दिया। सूचना मिलते ही बड़गोंदा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। थाना उपनिरीक्षक अनिल चाकरे ने बताया कि घायल और उसके स्वजनों के अनुसार वह बेरछा फायरिंग रेंज में लकड़ी बीनने गया था, जहां जमीन पर पड़े बम में विस्फोट हो गया।

मुंबई, 06 जनवरी [एजेंसी]। मुंबई बीएमसी चुनाव के लिए शिवसेना (यूबीटी) और महाराष्ट्र नव निर्माण सेना (एमएनएस) के संयुक्त घोषणा पत्र में कई लोक लुभावन वादे किए गए हैं। घोषणा पत्र में घरेलू और मछली बेचने वाली मछुआरा समुदाय की महिलाओं के लिए 1,500 रुपये का मासिक भत्ता, 100 यूनिट मुफ्त बिजली और 700 वर्ग फुट तक के मकानों पर संपत्ति कर में छूट शामिल है। वचन नामा, शब्द ठाकरेंचा नामक यह घोषणापत्र रविवार को शिवसेना भवन में आयोजित एक संयुक्त प्रेस कान्फ्रेंस में जारी किया गया। एमएनएस प्रमुख राज ठाकरे लगभग बीस साल बाद शिवसेना भवन लौटे हैं। घोषणापत्र के मुख पृष्ठ पर उद्धव और राज ठाकरे के साथ शिवसेना संस्थापक बालासाहेब ठाकरे की तस्वीर है। हालांकि, शिवसेना (यूबीटी)-एमएनएस गठबंधन में राकांपा (शरदचंद्र पवार) भी शामिल है, लेकिन घोषणापत्र जारी होने के समय शरद पवार के नेतृत्व वाली पार्टी का कोई भी वरिष्ठ नेता मंच पर मौजूद नहीं था।

मुंबई की प्रमुख सड़कों पर महिलाओं के लिए अच्छे शौचालयों का भी वादा किया गया है ।घोषणापत्र में शिव

भोजन थाली जैसी एक भोजन योजना का भी उल्लेख है। इसके तहत नाश्ता और दोपहर का भोजन 10 रुपये में उपलब्ध कराया जाएगा।

घोषणापत्र में कहा गया है कि मुंबई की भूमि का उपयोग केवल मुंबईवासियों के आवास के लिए किया जाएगा। बीएमसी, सरकार, बेस्ट इलेक्ट्रिसिटी एंड ट्रांसपोर्ट (बीईएसटी) के कर्मचारियों और मिल श्रमिकों के लिए किफायती आवास का वादा किया गया है। यह भी कहा गया है कि बीएमसी का अपना आवास प्राधिकरण होगा ।अगले पांच वर्षों में एक लाख किफायती मकान बनाए जाएंगे। घोषणापत्र में युवाओं को स्वरोजगार के लिए 25,000 रुपये से एक लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता और गिग वर्कर्स के लिए 25,000 रुपये के ब्याज मुक्त ऋण की भी घोषणा की गई है।

700 वर्ग फुट तक के मकानों पर संपत्ति कर माफ करने का वादा किया गया है ।गठबंधन ने न्यूनतम बस किराया मौजूदा 10 रुपये से घटाकर पांच रुपये करने, नई बसें और नया रूट शुरू करने का भी वादा किया है। स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने के लिए नगर निगम द्वारा संचालित अस्पतालों में पांच नए मेडिकल कालेज स्थापित किए जाएंगे। शहर में एक सुपर-स्पेशियलिटी कैंसर अस्पताल स्थापित किया जाएगा और त्वरित बाइक चिकित्सा सहायता भी शुरू की जाएगी। बीएमसी द्वारा संचालित मुंबई पब्लिक स्कूल में जूनियर किंडरगार्टन से लेकर कक्षा 12 तक की कक्षाएं होंगी। कामकाजी माता-पिता के बच्चों की देखभाल के लिए प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में क्रेच स्थापित किए जाएंगे।

अभी तो बीजेपी का पोस्टर फाड़ा है, दोबारा ऐसा किया तो..., देहरादून में बुजुर्ग को घर में घुसकर पीटा

देहरादून 6 जनवरी (एजेंसी)। राजपुर रोड क्षेत्र में एक 85 वर्षीय वरिष्ठ नागरिक महिला के साथ घर में घुसकर धक्का-मुक्की, अभद्रता और धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़िता ने संबंधित कोतवाली डालनवाला में लिखित शिकायत देकर आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है ।शिकायत के अनुसार, राजपुर रोड निवासी विमला देवी अपने घर के अंदर बैठी थीं। इसी दौरान अचानक करीब पांच युवक बिना अनुमति घर में घुस आए। आरोप है कि युवकों ने उनके साथ धक्का-मुक्की की और दुर्व्यवहार किया। उस समय घर पर मौजूद उनकी बहू अलका वर्मा के साथ भी आरोपियों ने धक्का-मुक्की और गाली-गलौज की। पीड़िता के मुताबिक, इसके बाद आरोपित सीढ़ियों से होते हुए आंगन के ऊपर छत पर चढ़ गए ।जब उनकी बहू ने छत पर जाकर युवकों से पूछा तो वे वहां लगे बैनर को फाड़ रहे थे। आरोप है कि युवकों ने कहा कि अभी तो पोस्टर फाड़ा है,

पंजाब के इतिहास में पहली बार चार सालों में 61,000 से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी मिली : सीएम मान

चंडीगढ़ ,06 जनवरी (एजेंसी)। 'मिशन रोज़गार' के तहत आज मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की ओर से शिक्षा विभाग के 606 उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र देने के साथ पंजाब में पहली बार चार सालों में युवाओं को 61,000 से अधिक सरकारी नौकरियां मिलने का नया रिकॉर्ड स्थापित हुआ है ।नव-नियुक्त उम्मीदवारों में 385 स्पेशल एजूकेटर टीचर, 157 प्राइमरी टीचर, 8 प्रिंसिपल तथा तरस के आधार पर भर्ती हुए 56 कर्मचारी शामिल हैं।

नेपाल के पूर्व पीएम ओली ने एनएचआरसी में बयान दर्ज कराया, क्या है मामला?

काठमांडू, 06 जनवरी [एजेंसी]। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने जन-जेड प्रदर्शन के दौरान हुई अत्याचारों की जांच के लिए गठित उच्चस्तरीय जांच समिति को एक लिखित बयान सौंपा है। सचिवालय के एक सदस्य के अनुसार जांच समिति के सामने पेश होने के लिए अडिग रहे ओली ने पूछताछ के लिए उपस्थित होने का नोटिस मिलने के बाद समिति को अपना बयान सौंपा है। आयोग की टीम ने रविवार दोपहर को गंडु, भक्तपुर में ओली के नए निवास पर एक पत्र सौंपा, जिसमें उन्हें सात दिनों के भीतर अपना बयान प्रस्तुत करने का आदेश दिया गया था। ओली ने तुरंत अपने निवास पर ही लिखित बयान प्रदान किया, जिसमें उन्होंने 60 प्रश्नों के उत्तर दिए। ओली ने जन-जेड आंदोलन के दौरान 8 और 9 सितंबर को हुई हिंसा के संबंध

में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) के सामने अपना बयान दर्ज कराया। एनएचआरसी की सदस्य लिली थापा के अनुसार ओली से प्रदर्शन के दौरान हुई कार्रवाई, तोड़फोड़ और हिंसा के बारे में सवाल पूछे गए। आयोग ने पहले ही दर्जनों व्यक्तियों के बयान लिए हैं। ओली के प्रधानमंत्री रहते हुए 8 सितंबर को काठमांडू में कुल 76 लोगों की जान गई, जिसमें 23 प्रदर्शनकारी और 10 कैदी शामिल थे। आयोग की टीम ने रविवार दोपहर को गंडु, भक्तपुर में ओली के नए निवास पर एक पत्र सौंपा, जिसमें उन्हें सात दिनों के भीतर अपना बयान प्रस्तुत करने का आदेश दिया गया था। ओली ने तुरंत अपने निवास पर ही लिखित बयान प्रदान किया, जिसमें उन्होंने 60 प्रश्नों के उत्तर दिए। ओली ने जन-जेड आंदोलन के दौरान 8 और 9 सितंबर को हुई हिंसा के सामने अपना बयान दर्ज कराया।

पावर ग्रिड पर हमले से अंधेरे में डूबा बर्लिन, चरमपंथी संगठन पर लगा आरोप, लाखों लोग प्रभावित

बर्लिन,06 जनवरी (एजेंसी)। दक्षिण-पश्चिम बर्लिन में आगजनी की घटना ने जर्मनी की राजधानी के हजारों लोगों को बिजली विहीन कर दिया है। संभवतः यह दूरदराज के वामपंथी चरमपंथी संगठन के हमले का परिणाम है। ग्रिड कंपनी स्ट्रोमनेट्ज बर्लिन ने बताया कि संदिग्ध आगजनी के कारण 45 हजार घरों को 8 जनवरी तक बिजली के बिना रहना पड़ सकता है। ग्रिड कंपनी ने कहा कि बिजली बहाल करने के प्रयास जारी हैं, जिसमें लगभग 35 हजार घरों और 1,900 व्यावसायिक संस्थाओं पर अभी भी प्रभाव पड़ा हुआ है। स्थानीय मीडिया ने एक पत्र प्रकाशित किया, एक वामपंथी संगठन वोल्केनो ग्रुप ने इस घटना की जिम्मेदारी ली है। यह कहते हुए कि इसके कार्य जीवाश्म ईंधन आधारित ऊर्जा उद्योग के खिलाफ

थे ।बर्लिन की आंतरिक मामलों की मंत्री इरिस स्प्रेंगर ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, जिम्मेदारी का दावा करने वाला पत्र सुरक्षा अधिकारियों द्वारा प्रामाणिक के रूप में वर्गीकृत किया गया है। मैं बर्लिनवासियों और शहर के आगंतुकों पर इस अमानवीय हमले की सबसे कड़ी निंदा करती हूं। जांच जारी है। सितंबर में दो खंभों पर संदिग्ध आग ने लगभग 50 हजार घरों की बिजली को गायब कर अंधेरे में डुबो दिया। स्थानीय मीडिया ने कहा था कि यह वोल्केनो ग्रुप के टेस्ला की गिगाफैक्टरी के पावर सप्लाई पर 2024 में किए गए हाई-प्रोफाइल हमले के समान था ।उज्बेक महिला कैदी ने दीवार पर सिर पटककर किया आत्महत्या का प्रयास

सिद्धार्थनगर। भारत-नेपाल सीमा पर बिना वैध दस्तावेज के पकड़ी गई उज्बेकिस्तान की महिला जर्निगोर तुखताबोएवा ने एक जनवरी को दीवार पर सिर पटककर जान देने की कोशिश की थी। तुखताबोएवा को 28 दिसंबर को बढ़नी सीमा पर सशस्त्र सीमा बल के जवानों ने पकड़कर पुलिस के हवाले किया था ।गिरफ्तारी के बाद जेल पहुंचने पर तुखताबोएवा ने दीवार पर सिर पटककर खुद को जख्मी कर लिया था। रविवार को भी उसकी हालत में कोई सुधार नहीं दिखा। स्थिति बिगड़ने के बाद जेल प्रशासन ने उसे मेडिकल कालेज में भर्ती कराया। मनोरोग विभाग के सहायक आचार्य डा. पीयूष शुक्ला ने बताया कि महिला अवसाद में है ।उसकी भाषा समझ में न आने के कारण उपचार में परेशानी हो रही है। उज्बेकिस्तान से एमबीबीएस करने वाले इंटर्न डाक्टर से भी महिला की वार्ता कराई गई है। जेल अधीक्षक सचिन वर्मा ने बताया कि महिला ने दीवार पर सिर लड़ाने के बाद शारीरिक रूप से खुद को हानि पहुंचाने का प्रयास किया था।

यमन में सरकारी सेना ने हद्रामाउत प्रांत पर फिर से कब्जा किया

हद्रामाउत प्रांत, 06 जनवरी [एजेंसी]। सऊदी अरब समर्थित और अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त यमन सरकार ने एसटीसी के कब्जे वाले हद्रामाउत प्रांत के ज्यादातर हिस्से पर नियंत्रण कर लिया है। प्रांत की राजधानी बंदरगाह शहर मुकल्ला को सरकारी सेना ने शनिवार को यूएई समर्थित एसटीसी (सदर्न ट्रांजिशनल काउंसिल) से छीन लिया था ।मुकल्ला पर दिसंबर में एसटीसी ने कब्जा किया था। मुकल्ला और हद्रामाउत प्रांत के अन्य शहरों के जो वीडियो सामने आए हैं

उनमें सरकारी बल-नेशनल शील्ड फोर्स का नागरिक सड़कों पर आकर स्वागत कर रहे हैं। नागरिकों के चेहरों पर खुशी के भाव हैं। हद्रामाउत प्रांत के अल-कतन और सीयून शहर के निवासियों-अहमद समान और बकर अल-केथेरी ने बताया है कि एसटीसी के लड़ाके अपने शिविर छोड़कर जा रहे हैं, इसलिए सरकारी सेना के आगे बढ़ने के दौरान छिटपुट टकराव हो रहा है, ज्यादा खूनखराबा नहीं हो रहा है ।सरकारी सेना सऊदी अरब के लड़ाकू विमानों की बमबारी के बाद आगे बढ़ रही है। यमन में तनाव दिसंबर महीने में तब बढ़ना शुरू हुआ था जब तेल संपन्न क्षेत्रों हद्रामाउत और अल-माहरा के बड़े इलाके पर एसटीसी ने कब्जा कर लिया था। इसके बाद एसटीसी ने स्वतंत्र राष्ट्र के लिए जनमत संग्रह कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी।

इससे क्षेत्र में तनाव बढ़ गया और सऊदी अरब व यूएई के हित भी टकराए। इसका असर दोनों देशों की दशकों पुरानी दोस्ती पर भी पड़ा है। हद्रामाउत के गर्वनर सालेम अल-खानबाशी और अल-माहरा के गवर्नर मुहम्मद अली यासेर ने सरकारी सेनाओं को मिली सफलताओं की पुष्टि की है। जबकि एसटीसी ने कहा है कि सऊदी लड़ाकू विमान क्षेत्र में बर्बादी फैला रहे हैं और आमजनों को मार रहे हैं। इससे देश में अराजकता फैलने का खतरा है।

भारत के अटके हुए एक अरब डॉलर के बकाये का हो सकता है भुगतान, वेनेजुएला पर अमेरिकी नियंत्रण का क्या होगा असर

नई दिल्ली,06 जनवरी। वेनेजुएला के तेल क्षेत्र पर अमेरिकी नियंत्रण अथवा उसके पुनर्गठन से भारत को प्रत्यक्ष लाभ मिल सकता है। विश्लेषकों का कहना है कि इस घटनाक्रम के चलते लंबे समय से अटके भारत के लगभग एक अरब डॉलर के बकाये का भुगतान हो सकता है और वेनेजुएला में भारतीय कंपनियों द्वारा संचालित तेल क्षेत्रों से कच्चे तेल का उत्पादन भी बढ़ सकता है। भारत एक समय वेनेजुएला के कच्चे तेल का प्रमुख आयातक था। किसी समय भारत प्रतिदिन चार लाख बैरल से अधिक तेल का आयात करता था। हालांकि, 2020 में अमेरिकी प्रतिबंधों और अनुपालन जोखिमों के कारण यह आयात बाधित हो गया था। विदेश में भारत की प्रमुख तेल उत्पादन कंपनी ओएनजीसी विदेश लिमिटेड (ओवीएल) पूर्वी वेनेजुएला के सैन क्रिस्टोबल तेल क्षेत्र का संयुक्त संचालन करती है ।अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण आवश्यक तकनीक, उपकरण और सेवाओं तक पहुंच बाधित होने से वहां उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा और व्यावसायिक रूप से उपयोगी भंडार लगभग फंस गए ।वेनेजुएला सरकार ने इस परियोजना में ओवीएल की 40 प्रतिशत हिस्सेदारी पर 2014 तक देय 53.6 करोड़ डालर का लाभांश अभी तक नहीं चुकाया है ।इसके बाद की अवधि के लिए भी लगभग समान राशि बकाया है। आडिट की अनुमति नहीं मिलने के कारण इन दावों का निपटान लंबित है। विश्लेषकों के अनुसार, यदि अमेरिका वहां के तेल भंडार को अपनी निगरानी में लेता है, तो प्रतिबंधों में ढील दी जा सकती है। इसके बाद ओवीएल गुजरात और अन्य क्षेत्रों से उपकरण भेजकर उत्पादन में वृद्धि कर सकती है।

किसी समय भारत प्रतिदिन चार लाख बैरल से अधिक तेल का आयात करता था।

धोखाधड़ी के आरोप में हर महीने 5 हजार गिग वर्कर्स को नौकरी से निकालता है जोमैटो, दीपेंद्र गोयल ने किया खुलासा

नई दिल्ली,06 जनवरी (एजेंसी)। धोखाधड़ी संबंधी मामलों के कारण जोमैटो हर महीने लगभग पांच हजार गिग वर्कर्स को नौकरी से निकालता है, जबकि डेढ़ लाख से दो लाख कर्मचारी स्वेच्छा से इस फास्ट फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म को छोड़ देते हैं। यह बात जोमैटो की पैरेंट कंपनी इटरनल के संस्थापक और सीईओ दीपेंद्र गोयल ने कही। एक यूट्यूबर के साथ एक वीडियो पॉडकास्ट में गोयल ने कहा कि जो लोग प्लेटफॉर्म छोड़ते हैं, वे गिग वर्क को अस्थायी नौकरी मानते हैं। गौरतलब है कि अधिक वेतन, बेहतर कामकाजी परिस्थितियों और सुरक्षा की अपनी मांगों को लेकर जोमैटो समेत क्विक कामर्स और फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म पर काम करने वाले कई गिग वर्कर्स ने नए साल की पूर्व संध्या पर हड़ताल कर दी थी ।इस बीच, श्रम और रोजगार

मंत्रालय ने चार श्रम संहिताओं के लिए मसौदा नियम प्रकाशित किए हैं, जिसमें गिग वर्कर्स को भी न्यूनतम मजदूरी, स्वास्थ्य, व्यावसायिक सुरक्षा और सामाजिक सुरक्षा कवरेज जैसे विभिन्न लाभ दिए जाने का प्रविधान है ।सरकार ने इन मसौदा नियमों पर हितधारकों से प्रतिक्रिया आमंत्रित की है। एक अप्रैल से पूरे देश में चार श्रम संहिताओं को लागू किया जाना है।

उत्तराखंड में अतिक्रमण के नाम पर लैंड जिहाद नहीं चलने देंगे, शब्दोत्सव कार्यक्रम में बोले सीएम धामी

दक्षिणी दिल्ली, 06 जनवरी (एजेंसी)। देवभूमि उत्तराखंड का देवत्व और सांस्कृतिक स्वरूप बनाए रखना सामूहिक जिम्मेदारी है। पहले की सरकारों ने इसपर ध्यान नहीं दिया, इसके चलते कई पहाड़ी इलाकों पर बाहरी लोग कब्जा कर चुके हैं। सरकारी जमीनों पर हरी-नीली चादरें चढ़ाकर अतिक्रमण किया जा रहा है, जोकि सुनियोजित सोची-समझी साजिश है। धामी ने कहा कि हमने संवैधानिक तरीके से सरकारी जमीनों से अवैध कब्जों को हटाने का काम शुरू किया और इसके तहत 10 हजार एकड़ भूमि अतिक्रमण मुक्त कर चुके हैं। करीब 600 अवैध ढांचे गिराए जा चुके हैं, जहां कोई धार्मिक अवशेष, चिन्ह या निशान नहीं मिले। हरिद्वार में दुनिया की सबसे बड़ी धर्मध्वजा लहराने की तैयारी चल रही है, जो वैश्विक स्तर पर सनातन संस्कृति का प्रतीक बनेगी। उन्होंने कहा कि मदरसों में शिक्षा के नाम पर कुछ अलग ही खेल चल रहा है, इसलिए उत्तराखंड में एक जुलाई 2026 के बाद ऐसे मदरसे बंद किए जाएंगे जहां राज्य का निर्धारित पाठ्यक्रम नहीं पढ़ाया जा रहा है।

देवभूमि में कबिलाई मानसिकता नहीं पनपने देंगे और हर समुदाय को लाभ पहुंचाने वाले शिक्षा के मंदिर स्थापित करेंगे ।चारधाम और अन्य धार्मिक क्षेत्रों में तेजी से विकास हुआ है। दिल्ली से देहरादून

एलिवेटेड रोड का काम जल्द खत्म हो जाएगा। इसके बाद दिल्ली से देहरादूर जाने वाले लोग फ्लाइट के बजाय सड़क से जल्दी पहुंच जाएंगे। देहरादून, ऋषिकेश व हरिद्वार में आने वाले समय में ट्रैफिक दबाव बढ़ने की संभावना को देखते हुए रिंग रोड का प्रस्ताव भी तैयार किया गया है, ताकि पर्यटकों और स्थानीय लोगों दोनों को सुविधा मिल सके। भारत को समझना बेहद जरूरी है। दुनिया में शायद ही कोई और देश हो जिसके दो नाम हों। भारत में राष्ट्र की अवधारणा पश्चिमी नेशन से अलग है। पश्चिम में नेशन की अवधारणा 16वीं सदी में विकसित हुई, जबकि भारत में राष्ट्र सदैव समाज के रूप में मौजूद रहा है। स्वदेशीकरण का अर्थ है दूसरों पर न्यूनतम निर्भरता। ये बातें आरएसएस के राष्ट्र कार्यकारिणी सदस्य डा. मनमोहन वैद्य ने भारत की भारतीय अवधारणा सत्र में कहीं। उन्होंने देश की शिक्षा व्यवस्था पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा गया कि आज की शिक्षा नौकरी मांगने वाले युवा तैयार कर रही है, जिससे बेरोजगारी बढ़ रही है।

भारत को केवल कृषि प्रधान देश बताकर सीमित कर दिया गया, जबकि वह हमेशा से उद्योग प्रधान भी रहा है। कभी भारत दुनिया को अनाज बेचता नहीं, बल्कि खिलाता था। स्टील, चमड़ा, पीतल और कपड़ा जैसे उद्योग घर-घर में थे। विविधता में एकता के संदर्भ में कहा गया कि भारत विविध संस्कृतियों का देश नहीं, बल्कि ऐसी एक संस्कृति का देश है जो विविधता को स्वीकार करती है। उन्होंने कहा कि जेन जी आशावादी पीढ़ी है और जो ठान लेती है, उसे पूरा करके दिखाती है। उन्हें उपदेश देने की बजाय संवाद करना चाहिए, प्रश्नों के माध्यम से सोचने और खोजने का अवसर देना चाहिए ।करीब 600 अवैध ढांचे गिराए जा चुके हैं, जहां कोई धार्मिक अवशेष, चिन्ह या निशान नहीं मिले। हरिद्वार में दुनिया की सबसे बड़ी धर्मध्वजा लहराने की तैयारी चल रही है, जो वैश्विक स्तर पर संस्कृति का प्रतीक बनेगी।

गूंगी बहरी, दिमागी रूप से कमजोर युवती से दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

जशपुर, 06 जनवरी (एजेंसी)। शहर के सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र में एक गूंगी बहरी, दिमागी रूप से कमजोर युवती से दुष्कर्म करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मामले में आरोपी को विरूद्ध बी एन एस की धारा 64 (2) (झ) (ट),332(बी) के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार दिनांक 02.01.26 को थाना सिटी कोतवाली जशपुर क्षेत्रांतर्गत एक ग्राम की 24 वर्षीया प्रार्थिया ने थाना सिटी कोतवाली जशपुर में रिपोर्ट दर्ज कराई थी ,कि वह एक शादी शुदा महिला है, व अपने बच्चे के साथ कोतवाली क्षेत्रांतर्गत एक ग्राम (मायके) में, अपने पिताजी तथा भाई बहनों के साथ रहती है, उसकी 26 वर्षीय बड़ी दीदी, दिमागी तौर पर कमजोर है व बोल -सुन नहीं सकती है, दिनांक 02.01.26 की दोपहर लगभग 2 बजे वह अपने पिताजी के साथ, लकड़ी लेने जंगल गई थी, व उसके भैया भाभी भी खेत बाड़ी में काम करने गए थे, घर में उसकी मूक बधिर , दिमागी रूप से कमजोर बड़ी बहन, अकेली थी, शाम करीबन 4 बजे जब वह जंगल से लकड़ी लेकर लौटी, तो देखी कि उसकी बड़ी बहन घर में नहीं पास ही स्थित गौ शाला में गई

बिलासपुर में पेड़ से टकराई कार...2 मौत, 3 घायल: रायपुर से पूर्णिमा स्नान करने अमरकंटक जा रहे थे, 2 घंटे गाड़ी में फंसी रही लाश

बिलासपुर, 06 जनवरी (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में तेज रफ्तार कार बेकाबू होकर पेड़ से जा टकराई। हादसे में 2 लोगों की मौत हो गई, जबकि 3 लोग गंभीर रूप से घायल हैं। कार सवार श्रद्धालु पूर्णिमा स्नान करने रायपुर से अमरकंटक जा रहे थे। घटना कोटा थाना के बेलगहना चौकी क्षेत्र की है।मरने वालों की पहचान रामकुमार धीवर (45) और राजकुमार साहू निवासी रायपुर के रूप में हुई है। वहीं, घायलों को इलाज के लिए सिम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे में कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। राजकुमार और आगे की सीट पर बैठा एक और युवक गाड़ी के अंदर फंस गए थे।हादसे के बाद घायलों को इलाज के लिए सिम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है।दरअसल, रायपुर के खम्हारडीह थाना क्षेत्र के कचना निवासी रामकुमार धीवर, दलदल सिवनी निवासी अपने दोस्त निलेश्वर धीवर (38), खरोरा मजेठा निवासी सुखसागर मानिकपुरी (39), दलदल सिवनी के अमित चंद्रवंशी और राजकुमार साहू के साथ पूर्णिमा स्नान करने के लिए अमरकंटक जाने के लिए निकले थे।सुबह करीब 9 बजे उनकी कार बेलगहना चौकी क्षेत्र के ग्राम भसको के पास पहुंची। इसी दौरान जंगल में तेज रफ्तार कार बेकाबू होकर सड़क से उतरकर पेड़ से जा टकराई। हादसे में रामकुमार धीवर और राजकुमार साहू को गंभीर चोटें आई। दोनों की मौत हो गई। निलेश्वर और उनके 2 साथी घायल हो गए।अंदर फंसे राजकुमार के शव को दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला गया।अंदर फंसे राजकुमार के शव को दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला गया।

बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हुई कार, अंदर फंसे रह गए लोग

हादसे में कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। राजकुमार और आगे की सीट पर बैठा एक और युवक गाड़ी के अंदर फंस गए थे। वहीं, पीछे बैठे लोग भी बुरी तरह से घायल थे। उन्हें लोगों ने किसी तरह बाहर निकाला गया।

राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस की टीम ने घायलों को इलाज के लिए अस्पताल रवाना किया। वहीं, अंदर फंसे राजकुमार के शव को 2 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला गया।कार काफी तेज रफ्तार में थी। पेड़ से टकराकर कार बुरी तरह से चिपक गई। हादसे में कार चला रहे निलेश्वर धीवर, पीछे बैठे सुखसागर मानिकपुरी और अमित चंद्रवंशी गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए तत्काल रतनपुर स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया।शुरुआती इलाज के बाद उन्हें सिम्स अस्पताल रेफर कर दिया गया। उनकी हालत नाजुक बताई जा रही है। वहीं पुलिस ने मृतक और घायलों के परिजनों को सूचना दी। इसके बाद परिजन दोपहर में रायपुर से रतनपुर पहुंचे, जहां उनकी मौजूदगी में दोनों शव का पोस्टमॉर्टम कराया गया। इसके बाद परिजन शव को रायपुर लेकर रवाना हो गए।

नशे में टल्ली टीचर स्कूल में करने लगा उठक-बैठक... कैमरे में बोला- 20 रुपए में आधा गिलास पिया हूं, मैनपाट बीईओ बोले- कड़ी कार्रवाई होगी

सरगुजा ,06 जनवरी (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले के वंदना प्राइमरी स्कूल का एक शिक्षक शराब के नशे में धुत होकर स्कूल पहुंच गया। शिक्षक राज प्रताप सिंह ने कहा कि उसने सिर्फ 20 रुपए में आधा गिलास शराब पी है। इसके बाद वह उठक-बैठक करने लगा। इस पूरी घटना का वीडियो भी सामने आया है।बताया जा रहा है कि, स्कूल में शिक्षक के नशे में होने की जानकारी मिलने पर ग्रामीणों ने स्थानीय पत्रकारों को सूचना दी। जब पत्रकार स्कूल पहुंचे तो शिक्षक नशे की हालत में मिला और उसने शराब पीने की बात खुद स्वीकार की।

जानकारी के मुताबिक, मैनपाट ब्लॉक के प्राइमरी स्कूल बालक वंदना में पदस्थ टीचर राज प्रताप सिंह शुक्रवार को नशे की हालत में स्कूल पहुंच गया। स्कूल की हेडमास्टर शुक्रवार को छुट्टी पर थीं। एक शिक्षक स्कूल ही नहीं आए। नशे में धुत शिक्षक के भरोसे पहली से पांचवीं के बच्चे स्कूल में थे।

गांववालों ने लोकल पत्रकारों को बताया कि एक प्राइमरी स्कूल का टीचर स्कूल में बच्चों की जिम्मेदारी संभालते समय नशे में था। ढंग से बातचीत भी नहीं कर पा रहा था। जब पत्रकार स्कूल पहुंचे, तो टीचर राज प्रताप सिंह ने शराब पीने की बात मान ली।टीचर ने कहा कि उसने सिर्फ 20 रुपए की आधी गिलास देसी शराब पी थी। टीचर ने अपनी गलती मानी। खुद को सजा देने के लिए उठक-बैठक करने लगा। प्राइमरी स्कूल में 60 से ज़्यादा छात्र हैं। हालांकि, शुक्रवार को अटेंडेंस कम थी।

मैनपाट बीईओ योगेश शाही ने कहा कि, ऐसे शिक्षकों पर कड़ी कार्रवाई होगी। इसके लिए प्रस्ताव भेजा जाएगा। ऐसे शिक्षक विभाग में हैं तो यह अच्छा संदेश नहीं जाता है। वीडियो में शिक्षक स्वीकार करते दिख रहा है कि उसने शराब का सेवन किया है। निश्चित ही उस पर कार्रवाई होगी।

बीईओ शाही ने बताया कि, पहले भी शिक्षक के शराब पीने की शिकायत मिली थी, उसे नोटिस जारी किया गया था। इसके बाद वह सुधर गया था। सीएससी से भी रिपोर्ट मांगी गई थी। ऐसे शिक्षकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी।

बीजापुर के दक्षिणी इलाके में माओवादी विरोधी अभियान, मुठभेड़ में दो माओवादी ढेर

बीजापुर, 06जनवरी (एजेंसी)। जिले के दक्षिण क्षेत्र में सशस्त्र माओवादियों की मौजूदगी की सूचना पर सुरक्षाबलों ने सर्च ऑपरेशन शुरू किया। दक्षिण बस्तर क्षेत्र में डीआरजी (डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड) की टीम अभियान पर रवाना हुई थी। इसी दौरान आज तड़के करीब 5 बजे से डीआरजी और माओवादियों के बीच रुक-रुक कर मुठभेड़ जारी है।सर्च ऑपरेशन के दौरान अब तक मुठभेड़ स्थल से दो माओवादियों के शव बरामद किए गए हैं। सुरक्षाबलों ने क्षेत्र में सतर्कता बढ़ा दी है और आसपास जवानों की संख्या और अन्य संवेदनशील जानकारियां फिलहाल सार्वजनिक नहीं की जा सकतीं। ऐसा जवानों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए किया जा रहा है।

नाबालिग को शादी का झांसा देकर भगा ले जाने वाला युवक पकड़ाया

बिलासपुर, 06 जनवरी (एजेंसी)।जिले की थाना कोनी पुलिस ने ऑपरेशन मुस्कान के तहत नाबालिक लड़की को शादी का झांसा देकर बहला-फुसलाकर भगाने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है तथा अपहृता को बरामद कर परिजन को सुपुर्द कर दिया गया है।मिली जानकारी के अनुसार दिनांक 11.12.2025 को प्रार्थीया द्वारा थाना कोनी में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसकी नाबालिक लड़की को कोई अज्ञात व्यक्ति बहला-फुसलाकर भगा ले गया है। प्रार्थीया की रिपोर्ट पर थाना कोनी में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार जिले में गुम हुये नाबालिक बालक एवं बालिकाओं को ऑपरेशन मुस्कान अभियान के अंतर्गत अधिक से अधिक दस्तयाब करने निर्देशित किया गया है, जिसके परिपालन में अपहृत नाबालिक बालक/बालिकाओं की लगातार पतासाजी के दौरान जानकारी प्राप्त हुई कि अपहृता संदेही के साथ गोंदिया महाराष्ट्र में है

प्राप्त सूचना के संबंध में वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया जिनके निर्देश के परिपालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) बिलासपुर पंकज पटेल एवं नगर पुलिस अधीक्षक कोतवाली गगन कुमार(भा.पु.से.) के मार्गदर्शन में टीम गठित कर महाराष्ट्र रवाना किया गया जिनके द्वारा अपहृत बालिका को आरोपी करन उर्फ कोलिहा मांडले पिता स्व. कुंवर सिंह उम्र 22 वर्ष सा. डोड़की थाना बिल्हा जिला बिलासपुर के कब्जे से बरामद किया गया अपहृता से पूछताछ करने पर बताई कि आरोपी शादी का झांसा देकर बहला फुसलाकर अपने साथ गोंदिया महाराष्ट्र ले गया तथा मारपीट कर जबरन कई बार उसके साथ बलात्कार करना बताई। प्रकरण में विधिवत कार्यवाही करते हुए आरोपी करण उर्फ कोलिहा मांडले को दिनांक 03.01.2026 को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा जा रहा हैं।

सुसाइड से पहले हिंदू संगठन के युवक का : सोहेल को बताया मौत का जिम्मेदार, बांग्लादेश हिंसा को लेकर किया था प्रदर्शन,एएसआई लाइन अटैच

बिलासपु,06 जनवरी रछत्तीसगढ़ के मुंगेली में हिंदू संगठन से जुड़े एक युवक ने फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। हिंदू संगठनों का आरोप है कि युवक ने पुलिस की प्रताड़ना से तंग आकर आत्महत्या की है। मरने से पहले युवक ने वीडियो बनाया और सोहेल खान नाम के युवक को मौत का जिम्मेदार बताया। मामला सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक बांग्लादेश हिंसा के विरोध में प्रदर्शन करने के बाद सोहेल ने युवक के साथ मारपीट की थी। आरोप है कि शिकायत के बाद भी सोहेल के खिलाफ कार्रवाई नहीं जा रही है। इसके अलावा युवक पर बयान बदलने के लिए दबाव बनाया जा रहा था।

मरने से पहले युवक ने वीडियो बनाते हुए कहा कि मैं मरने जा रहा हूं। जिसका कारण सोहेल खान है। युवक ने कहा कि पुलिसवालों ने झूठा बयान लिया है। राम सिंह भैय्या और छत्रपाल भाई मुझे इंसाफ दिला देना। घटना के बाद बिलासपुर में हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं ने सिटी कोतवाली थाना का घेराव कर विरोध जताया।

हिंदू संगठन के कार्यकर्ता के सुसाइड केस में एसएसपी रजनेश सिंह ने एसआई गणेश राम महिलांगे को लाइन अटैच कर दिया है। वहीं मामले की जांच का जिम्मा आईपीएस गगन कुमार को सौंपा गया है।तनाव की स्थिति को देखते हुए पुलिस बल तैनात किया गया। शहर के आसपास के थानों के टीआई भी मौके पर मौजूद रहे। प्रदर्शनकारियों की मांग थी कि आरोपी युवक को फौरन गिरफ्तार किया जाए और सख्त कार्रवाई की जाए। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि कार्रवाई नहीं होती है तो आगे जो भी होगा, उसका जिम्मेदार शासन-प्रशासन होगा।

स्स्क्र रजनेश सिंह ने इस मामले पर कहा कि शुक्रवार देर शाम आरोपी सोहेल को गिरफ्तार कर लिया गया है। प्रार्थी से घटनाक्रम की जानकारी लेने के बाद उसके बताए अनुसार रिपोर्ट लिखी गई थी।

साक्ष्य जुटाए गए हैं। लेकिन इसी बीच प्रार्थी ने मुंगेली में अपने निवास में आत्महत्या की है। इसकी जांच मुंगेली पुलिस कर रही है। प्रकरण दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। दरअसल, नरेश साहू (19) मूल रूप से मुंगेली के बामपारा का रहने वाला था। वह चिंगराजपारा गणेश चौक सरकंडा में रहकर प्राइवेट जॉब करता था। इसके अलावा वह हिंदू संगठन से भी जुड़ा था। 28 दिसंबर 2025 को हिंदू संगठन की ओर से बांग्लादेश हिंसा के विरोध में प्रदर्शन किया गया था।

इस विरोध प्रदर्शन में नरेश भी शामिल हुआ था। आरोप है कि 31 दिसंबर की रात करीब 8:50 बजे नरेश बाइक से शनिचरी होते हुए घर लौट रहा था। इसी दौरान शनिचरी रपटा के पास सोहेल खान अपने एक साथी के साथ बाइक से नरेश का पीछा करते हुए पहुंचा। दोनों ने नरेश के सामने बाइक अड़ाकर उसे रोक लिया। यह भी आरोप है कि सोहेल और उसके दोस्त ने गाली-गलौज करते हुए नरेश के साथ मारपीट की। बीच-बचाव के दौरान उसके कपड़े भी फट गए। इसी दौरान सोहेल ने चाकूनुमा हथियार निकालकर जान से मारने की धमकी दी। डर के कारण नरेश अपनी बाइक मौके पर ही छोड़कर भाग गया।

बाद में उसने बिलासपुर सिटी कोतवाली थाने पहुंचकर मामले की शिकायत दर्ज कराई। नरेश का कहना था कि सोहेल और उसके दोस्त ने उसे यह कहते हुए पीटा कि वह हिंदूवादी नेता राम सिंह के साथ घूमता है। उन्होंने राम सिंह को भी जान से मारने की धमकी दी।जबकि सोहेल का कहना है कि उसने नरेश के साथ मारपीट नहीं की है। घटना के दौरान वह मौके पर था ही नहीं। इधर, आरोप है कि पुलिसवालों ने नरेश पर बयान बदलने के लिए दबाव बनाया। जिससे वह परेशान था। बाद में वह अपने मुंगेली वाले घर चला गया।

शुक्रवार को नरेश ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वीडियो वायरल होने के बाद ग्रामीण नरेश के घर पर पहुंचे। कमरे का दरवाजा बंद था। दरवाजा तोड़कर अंदर घुसे तो लाश फंदे से लटकते मिली। इसके बाद मामले की जानकारी पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा किया और पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भिजवाया।ममेरा भाई भोला साहू ने बताया कि मैंने काम के दौरान सोशल मीडिया पर भाई का वीडियो देखा। काफी तलाशने के बाद मैंने उसे कॉल किया। लेकिन मोबाइल बंद होने के कारण संपर्क नहीं हो पाया। जब घर आए तो नरेश ने सुसाइड कर लिया था।सिटी कतवाली टीआई कार्तिकेश्वर जांगड़े का कहना है कि आत्महत्या की सूचना पर टीम मौके पर पहुंची। शव को मॉर्चुरी भिजवाया गया है। वीडियो की जांच के बाद ही कुछ कहा जा सकता है।मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।मामले में बिलासपुर सिटी एडिशनल एसपी पंकज पटेल ने कहा कि बयान के लिए नरेश को बुलाया गया था। अभी जानकारी मिली कि उसने मुंगेली में आत्महत्या कर ली। जो भी तथ्य सामने आएंगे, उस पर जांच की जाएगी। पुलिस प्रताड़ना वाले आरोप पर उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार से उसे प्रताड़ित नहीं किया गया था।

बस्तर रेंज में बड़ा नक्सल विरोधी अभियान, 14 माओवादियों के शव बरामद

0 बीजापुर/सुकमा, 06जनवरी (एजेंसी)। बस्तर रेंज के बीजापुर और सुकमा जिलों में सुरक्षा बलों द्वारा चलाए जा रहे नक्सल विरोधी अभियानों के दौरान बड़ी सफलता मिली है। सर्च ऑपरेशन के दौरान अब तक कुल 14 माओवादियों के शव बरामद किए गए हैं। इनमें बीजापुर जिले से 02 और सुकमा जिले से 12 माओवादी शामिल हैं।प्राप्त जानकारी के अनुसार, बीजापुर एवं सुकमा जिलों के दक्षिणी इलाकों में सशस्त्र माओवादियों की मौजूदगी की पुख्ता सूचना मिलने के बाद सुरक्षा बलों ने संयुक्त सर्च ऑपरेशन शुरू किया था। अभियान के तहत दक्षिण बस्तर क्षेत्र में डीआरजी (डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड) की टीमें रवाना की गई।ऑपरेशन के दौरान बीजापुर जिले में आज सुबह करीब 05:00 बजे से डीआरजी और माओवादियों के बीच रुक-रुक कर मुठभेड़ जारी है। वहीं, सुकमा जिले में भी सुबह लगभग 08:00 बजे से सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच फ ायरिंग की स्थिति बनी हुई है।मुठभेड़ स्थलों की सघन तलाशी के दौरान सुरक्षा बलों को और राइफल्स सहित भारी मात्रा में हथियार भी बरामद हुए हैं, जो माओवादियों की सशस्त्र गतिविधियों की पुष्टि करते हैं।अधिकारियों के अनुसार, चूंकि ऑपरेशन अभी जारी है, इसलिए मुठभेड़ के सटीक स्थान, अभियान में शामिल बलों की संख्या और अन्य संवेदनशील जानकारियाँ फिलहाल सार्वजनिक नहीं की जा रही हैं,

छत्तीसगढ़ में आगामी तीन दिनों में पड़ेगी कड़ाके ठंड

रायपुर, 06 जनवरी (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में अगले तीन दिनों में पड़ेगी कड़ाके की ठंड पारा और गिरने से तापमान में गिरावट आएगी। मिली जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ में लगातार मौसम में बदलाव दिख रहा है। अगले 24 घंटों के बाद तीन दिन तक कड़ाके की ठंड मैदानी क्षेत्रों में पड़ने की संभावना है। मौसम विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार 2 से तीन डिग्री सेलसियस तापमान में गिरावट तर्ज होने की संभावना है। प्रदेश के कुछ इलाकों में गहरे कोहरे के साथ हल्की वर्षा होने की संभावना जताई गई है। पिछले 24 घंटो में सरगुजा का तापमान सबसे कम दर्ज किया गया है। वहीं जगदलपुर में अधिकतम तापमान दर्ज हुआ है। रायपुर में आज गहरे कोहरे के साथ के सुबह की शुरूआत हुई राजधानी में तापमान 28 डिग्री से 14 डिग्री सेलसियस दर्ज होने की संभावना है।

एसीबी की ट्रैप कार्यवाही में एसडीएम का बाबू 1 लाख रिश्वत लेते सपड़ाया

बिलासपुर, 06जनवरी (एजेंसी)। एसीबी इकाई बिलासपुर ने कार्यवाही का आगाज करते हुए धर्मजयगढ़ के एसडीएम कार्यालय के बाबू को 1 लाख रुपए रिश्वत लेते हुए पकड़ा। डर से पैसे को आरोपी ने आवास के पीछे फेका था,रिश्वत रकम किया गया बरामद। एसीबी /आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो द्वारा लगातार छेड़े जा रहे व्यापक ट्रैप अभियान के तारतम्य में नए वर्ष 2026 की शुरुआत में ही 02.01.26 को एसीबी इकाई बिलासपुर को रायगढ़ जिले के धर्मजयगढ़ में एसडीएम कार्यालय के बाबू अनिल कुमार चेलक को एक ग्रामीण से 1 लाख रुपए रिश्वत लेते हुए पकड़ा गया।।डीएसपी एसीबी बिलासपुर अजितेश सिंह ने बताया कि 24.12.25 को ग्राम अमलीटिकरा तहसील धर्मजयगढ़ जिला रायगढ़ निवासी राजू कुमार यादव द्वारा एसीबी इकाई में इस आशय की शिकायत की गई थी कि उसने अपने नाम पर ग्राम अमली टिकरा में एक जमीन क्रय की थी उक्त जमीन का रजिस्ट्री उपरांत नामांतरण भी उसके नाम पर हो चुका है।एसडीएम कार्यालय धर्मजयगढ़ के बाबू अनिल कुमार चेलक द्वारा उसे बुलाकर यह कहा गया था कि जिस जमीन को वह खरीदा है वह गलत तरीके से रजिस्ट्री हुई है जिसके संबंध में उसके खिलाफ और विक्रेता के खिलाफ एक शिकायत हुई है जिसके बारे में अनावेदक ने उसे बाद में बुलाने पर मिलने को कहा । 22.12.25 को अनावेदक द्वारा उसे मिलने के लिए बुलाया गया जिस पर वह 23.12.25 को अनावेदक से जाकर मिला तो अनावेदक बाबू अनिल चेलक द्वारा उससे शिकायत को नस्तीबद्ध करने के बदले में 2 लाख रुपए की मांग की जा रही है जो वह बाबू अनिलचेलक को रिश्वत में 2 लाख रुपए नहीं देना चाहता बल्कि उसे रिश्वत लेते हुए पकड़वाना चाहता है।शिकायत का सत्यापन कराने पर शिकायत सही पाई गई तथा सत्यापन के दौरान प्रथम किश्त में 1 लाख रुपए लेने हेतु सहमति आरोपी अनिल चेलक द्वारा दी गई जिस पर ट्रैप की योजना तैयार की गई । 2 जनवरी को प्रार्थी द्वारा व्यवस्था की गई राशि 1 लाख रुपए को आरोपी को देने हेतु आरोपी के धर्मजयगढ़ स्थित शासकीय आवास में भेजा गया जो रिश्वती राशि 100000 रुपए को आरोपी अनिल चेलक द्वारा अपने हाथ में लेने के बाद कुछ संदेह होने पर तुरंत आवास का दरवाजा बंद कर लिया गया और दरवाजा नहीं खोला गया।लगातार प्रयास के बाद एसीबी टीम द्वारा दरवाजे को जोर से धक्का देने पर अंततः दरवाजा खुल गया ।आवास में आरोपी के मिलने पर पहले आरोपी रिश्वती रकम के बारे में कुछ नहीं बताया पर कडाई से पूछताछ करने पर उसने रिश्वत में ली गई राशि 100000 रुपए को अपने आवास के पीछे के दीवार के पीछे तरफ बैग में डालकर फेकना बताया जिसे एसीबी के स्टाफ ने भी आवास के पीछे आरोपी को फेंकते हुए देखा था। रिश्वती राशि 100000 रुपए को एसीबी टीम द्वारा बरामद कर लिया गया है।।पकड़े गए आरोपी से रिश्वत की रकम 100000 रुपए जप्त कर एसीबी के द्वारा आरोपी के विरुद्ध विरुद्ध धारा 7 भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 के तहत कार्यवाही की जा रही है। गौरतलब है कि एसीबी के द्वारा भ्रष्ट अधिकारियों /कर्मचारियों की लगातार कार्यवाही की जा रही है , इसी अनुक्रम में नए वर्ष की शुरुवात में छत्तीसगढ़ में एसीबी के यह पहली बड़ी सफल कार्यवाही है।

शब्द सामर्थ्य -054

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. ठुड्डी पर के बाल, ठुड्डी, ठोढ़ी 3. विशेष और सामान्य (आदमी), आम और खास लोग (उ.) 5. इच्छा, हसरत, अभिलाषा 6. शारीरिक कोमलता, सुकुमारता (उ.) 7. सविनय, विनती पूर्वक 10. बिलख-बिलख कर रोना 11. कहानी, उपन्यास 12. कुशल, दक्ष, विशेषज्ञ 13. भार, दबाव 14. शुभ-अशुभ की पूर्व सूचना, शुभ अवसर पर होने वाला मंगल कार्य संबंधी गीत 15. एहसान, भलाई, हित 17. सूत काटने, लपेटने में काम आने वाली चर्खे से लगी सलाई 19. एक हिन्दी महीना, श्रावण 20. सप्ताह का एक दिन, बृहस्पतिवार।

ऊपर से नीचे

1. जंगल में लगी आग, दावाग्नि 2. मूल्य, दाम 4. स्वतंत्र, स्वाधीन 5. संकट, कष्ट, दर्द 7. लकड़ी, कन्या, कानों में पहनने का छल्ला, श्रेष्ठ 8. बेइज्जती, अनादार 9. शोभा, सुंदरता, बसंत ऋतु 10. तबाह करने वाला,विनाशक 11. इस समय 13. असुर, राक्षस, दैत्य 14 ए. गुरुमंत्र, बहुत अच्छी युक्ति 15. पर्व, त्यौहार 16. शिकायत, उलाहना, ग्लानि 17. वृक्ष, पेड़ 18. मुंह से निकलने वाला थूक जैसा पदार्थ।

1		■	2	■	3		4	
	■	5			■	■		■
6				■	7	8		9
	■		■	10			■	
■	11				■	12		
13		■	■	14	14ए		■	■
	■	15				■	16	■
	■		■		■	17		18
■	19			■	20			

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 053 का हल

खा	म	खां	■	■	इं	■	■	■
स	ह	■	ब	र	सा	त	■	प
■	क	हा	नी	■	न	क	च	ढ़ा
त	■	■	स्ब	■	■	ली	■	ई
क	या	म	त	■	क	फ	न	■
दी	■	र्दा	■	बा	बू	■	ह	वा
र	ह	ना	■	ल	त	खो	र	■
■	वा	■	नौ	क	र	■	■	सा
भा	ई	■	का	■	■	बा	द	ल

आईएल20 के फाइनल में भिड़े कीरोन पोलार्ड और पाकिस्तान के नसीम शाह

दुबई ,06 जनवरी (एजेंसी)। इंटरनेशनल लीग टी20 (ILT20) 2025-26 के फाइनल मुकाबले में उस वक्त माहौल गर्म हो गया, जब डेजर्ट वाइपर्स और एमआई एमिरेट्स के बीच खेले जा रहे मैच के दौरान कीरोन पोलार्ड और पाकिस्तान के तेज गेंदबाज नसीम शाह के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली। दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में हुए इस वाकये का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया है। आईएल20 का फाइनल रविवार को डेजर्ट वाइपर्स और एमआई अमीरात के बीच दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला गया। इस मैच में वाइपर्स के तेज गेंदबाज नसीम साह और एमआई के कीरोन पोलार्ड लाइव मैच के दौरान भिड़ गए। इसका वीडियो भी आईएल20 ने सोशल मीडिया पर शेयर किया है। हालांकि, इसमें कामयाबी नसीम को मिली। उन्होंने न सिर्फ पोलार्ड को आउट किया, बल्कि तीन विकेट लेकर डेजर्ट वाइपर्स को चैंपियन बनाने में अहम

यह घटना एमआई अमीरात की पारी के दौरान 11वें ओवर की है। इस ओवर में नसीम गेंदबाजी कर रहे थे। उनकी गुड लेंथ की गेंद को पोलार्ड ने लेग साइड में खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद उनके बल्ले से लगकर पैड पर लगी। इस पर नसीम ने पोलार्ड को घूर कर देखा। फिर पोलार्ड भी ताव में आकर नसीम के करीब गए और मुंहतोड़ जवाब दिया। फिर पोलार्ड नसीम से कुछ कहते दिखाई पड़े। फिर अंपायर ने बीच बचाव किया और दोनों को अलग किया। फिर जेसन रॉय भी आए। तब एमआई अमीरात की टीम 76 रन पर चार विकेट गंवाकर जूझ रही थी। इस भिड़ंत का मजेदार वीडियो भी सामने आया खिताबी मुकाबले की बात करें तो डेजर्ट वाइपर्स ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर 20 ओवर में चार विकेट पर 182 रन बनाए। फखर जमां ने 15 गेंद में 20 रन और जेसन रॉय ने सात गेंद में 11 रन की पारी खेली। फिर मैक्स होल्डन ने कप्तान सैम करन के साथ मिलकर तीसरे विकेट के लिए 64 गेंद में 89 रन की साझेदारी निभाई। होल्डन 32 गेंद में दो चौके और एक छक्के की मदद से 41 रन की पारी खेलकर आउट हुए। कप्तान करन ने 51 गेंद में आठ चौके और दो छक्कों की मदद से 74 रन की नाबाद पारी खेली। वहीं, डैन लॉरेंस ने 15 गेंद में 23 रन बनाए। एमआई अमीरात की ओर से फजलहक फारूकी ने दो विकेट लिए, जबकि अरब गुल मोहम्मद को एक विकेट मिला।

जवाब में अमीरात की पारी 18.3 ओवर में 136 रन पर सिमट गई। मोहम्मद वसीम ने 13 गेंद में 26 रन बनाए। वहीं, आंद्रे फ्लेचर ने 10 रन बनाए। टॉम बैंटन ने सात रन बनाए। शाकिब अल हसन ने 27 गेंद में तीन चौके की मदद से 36 रन बनाए। वहीं, संजय कृष्णमूर्ति ने दो रन बनाए। तजिंदर ढिल्लों ने 12 रन बनाए। रोमारियो शेफर्ड सिर्फ एक रन बना सके। कप्तान पोलार्ड ने 28 गेंद में 28 रन बनाए। अल्लाह गजनफर खाता खोले बिना और मोहम्मद रोहिद तीन रन बना सके। अरब गुल पांच रन बनाकर नाबाद रहे। डेजर्ट वाइपर्स की ओर से डेविड पेन और नसीम शाह ने तीन-तीन विकेट लिए। वहीं, खुजैमा तनवीर और उस्मान तारीक को दो-दो विकेट मिले। इस तरह डेजर्ट वाइपर्स ने 46 रन से मैट जीतकर खिताब अपने नाम किया।

रोहित शर्मा के साथ हुई बदसलूकी! युवा फैंस की हरकत पर हिटमैन ने क्या किया

मुंबई ,06 जनवरी (एजेंसी)। पिछले साल मई में रोहित शर्मा ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर सभी को चौंका दिया था। इसके साथ ही उनके अंतरराष्ट्रीय करियर का एक सुनहरा अध्याय समाप्त हुआ, लेकिन वनडे और टी20 में उनका सफर अब भी जारी है। यह वायरल वीडियो भले ही चर्चा का विषय बन गया हो, लेकिन रोहित शर्मा की उपलब्धियां और मैदान पर उनका योगदान उन्हें भारतीय क्रिकेट के महान खिलाड़ियों की सूची में हमेशा खास बनाए रखेगा।

भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज रोहित शर्मा एक बार फिर चर्चा में हैं, लेकिन इस बार वजह उनका प्रदर्शन नहीं बल्कि एक वायरल वीडियो है। सोशल मीडिया पर सामने आए इस वीडियो में दो युवा फैंस रोहित शर्मा के साथ बदसलूकी करते नजर आ रहे हैं। यह घटना तब हुई जब रोहित अपनी कार में बैठे हुए थे और सड़क किनारे खड़े फैंस की ओर हाथ हिलाकर अभिवादन कर रहे थे।वीडियो में देखा जा सकता है कि एक फैन पहले रोहित से हाथ मिलाता है, लेकिन इसके तुरंत बाद दोनों फैंस उनका हाथ जोर से खींचने लगते हैं और जबरन सेल्फी लेने की कोशिश करते हैं। इस अप्रत्याशित व्यवहार से रोहित शर्मा साफ तौर पर असहज और निराश नजर आए। उन्होंने फैंस को चेतावनी दी और फिर कार की खिड़की बंद कर ली। यह वीडियो देखते ही देखते सोशल मीडिया पर वायरल हो गया और फैंस के व्यवहार को लेकर बहस छिड़ गई।रोहित शर्मा हाल ही में विजय हजारे ट्रॉफी में मुंबई की ओर से खेलते नजर आए थे। टूर्नामेंट में उन्होंने सिक्किम के खिलाफ शानदार 155 रनों की पारी खेली, जबकि उत्तराखंड के खिलाफ वह खाता खोले बिना आउट हो गए। इसके बावजूद उनकी फॉर्म और फिटनेस ने चयनकर्ताओं और फैंस को प्रभावित किया है।

अब रोहित शर्मा की नजर भारत और न्यूज़ीलैंड के बीच 11 जनवरी से शुरू होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज पर है। बतौर ओपनर वह नए साल में भी अपनी शानदार फॉर्म जारी रखने की कोशिश करेंगे और टीम को मजबूत शुरुआत दिलाना चाहेंगे।

साल 2025 रोहित शर्मा के लिए बेहद यादगार रहा। उन्होंने न सिर्फ ढेरों रन बनाए बल्कि कई बड़े रिकॉर्ड भी तोड़े। रोहित ने भारत को आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जिताने में अहम भूमिका निभाई और 20,000 अंतरराष्ट्रीय रन पूरे करने का ऐतिहासिक मुकाम हासिल किया। रोहित शर्मा पहली बार आईसीसी वनडे रैंकिंग में नंबर-एक बल्लेबाज बने और भारत के लिए तीसरे सबसे ज्यादा वनडे रन बनाने वाले खिलाड़ी भी बने। उन्होंने वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड भी अपने नाम किया। नवंबर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ रांची में खेले गए पहले वनडे में उन्होंने शाहिद अफरीदी का रिकॉर्ड तोड़ा। फिलहाल 279 वनडे मैचों में रोहित 355 छक्के जड़ चुके हैं।

न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए टीम इंडिया का ऐलान, शुभमन गिल को कमान, रोहित-विराट भी स्क्वॉड में शामिल

मुंबइ,06 जनवरी (एजेंसी)। नए साल 2026 में भारतीय क्रिकेट टीम अपनी पहली बड़ी चुनौती के लिए तैयार है। कीवियों के खिलाफ 11 जनवरी से शुरू हो रही घरेलू सीरीज के लिए बीसीसीआई ने शनिवार (3 जनवरी) को भारतीय वनडे टीम का ऐलान कर दिया है। चयनकर्ताओं ने युवा ओपनर शुभमन गिल पर भरोसा जताते हुए उन्हें टीम की कमान सौंपी है। वहीं, टी20 सीरीज के लिए टीम की घोषणा पहले ही की जा चुकी थी।चोट के बाद गिल की वापसी, अय्यर पर सस्पेंसशुभमन गिल चोट के कारण साउथ अफ्रीका के खिलाफ पिछली वनडे सीरीज का हिस्सा नहीं बन पाए थे। उनकी अनुपस्थिति में केएल राहुल ने कप्तानी की जिम्मेदारी संभाली थी और भारत ने वह सीरीज 2-1 से अपने नाम की थी। अब फिट होकर गिल बतौर कप्तान टीम में लौटे हैं। उनके अलावा तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और बल्लेबाज श्रेयस अय्यर की भी टीम में वापसी हुई है। हालांकि, बीसीसीआई ने स्पष्ट किया है कि उप-कप्तान बनाए गए श्रेयस अय्यर सीरीज में तभी भाग ले पाएंगे, जब उन्हें मेडिकल टीम द्वारा फिट घोषित किया जाएगा।रोहित-विराट स्क्वॉड में, युवा चेहरों को भी मौकाघोषित की गई टीम में वरिष्ठ खिलाड़ियों और युवाओं का मिश्रण देखने को मिल रहा है। स्क्वॉड में रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे दिग्गजों को शामिल किया गया है। वहीं, युवा जोश के तौर पर हर्षित राणा और नीतीश कुमार रेड्डी को मौका दिया गया है। विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी केएल राहुल और ऋषभ पंत संभालेंगे।न्यूजीलैंड के खिलाफ भारतीय वनडे टीमशुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, केएल राहुल (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर (उप-कप्तान*), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, रवींद्र जडेजा, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा, प्रसिद्ध कृष्णा, कुलदीप यादव, नीतीश कुमार रेड्डी, अर्शदीप सिंह और यशस्वी जायसवाल।

केकेआर से रिलीज किए जाने के बाद मुस्तफिजुर रहमान को मिलेंगे पैसे, क्या कहता है नियम?

नई दिल्ली,06 जनवरी (एजेंसी) । भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड से मिले निर्देश के बाद कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने आईपीएल 2026 के लिए बने अपने स्क्वॉड से बांग्लादेश के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को रिलीज कर दिया है। ऐसे में एक बड़ा सवाल है कि क्या केकेआर रहमान नीलामी में लगाई गई कीमत रहमान को देगी। आइए जानते हैं कि नियम क्या कहता है।आईपीएल नीलामी में किसी खिलाड़ी को खरीदने के बाद उसके लिए लगाई गई कीमत को फ्रेंचाइजी के पर्स से लॉक कर दिया जाता है। मुस्ताफिजुर रहमान का मामला अलग है और संवेदनशील है। उन्हें चोट या निजी कारण से नहीं, बल्कि भारत-बांग्लादेश के बीच खराब हो चुके राजनीतिक और सुरक्षा हालातों की वजह से केकेआर ने रिलीज किया है। ऐसे में आईपीएल के नियमों के मुताबिक, अगर बीसीसीआई किसी खिलाड़ी को क्रिकेट के अलावा किसी दूसरी वजह से बाहर करने का निर्देश देती है, तो उस खिलाड़ी पर खर्च की गई पूरी रकम फ्रेंचाइजी को वापस मिल जाती है। इस स्थिति को 'फोर्स मेज्योर' कहा जाता है। यह एक ऐसी असाधारण परिस्थिति है जो किसी के नियंत्रण में नहीं होती। इन मामलों में फ्रेंचाइजी खिलाड़ी के साथ किए गए

व्यापार

नए साल 2026 का आगाज सोने में उछाल के साथ, रिकॉर्ड रैली के बाद चांदी की रफ्तार पर लगा ब्रेक

नई दिल्ली ,06 जनवरी (एजेंसी)। साल 2026 की शुरुआत में भारतीय सराफा बाजार में सोने का भाव बढ़कर 1,38,340 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया, जबकि चांदी गिरकर 2,37,400 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई है। आइए जानें 2025 के ऐतिहासिक रिटर्न, चांदी में मुनाफावसूली के कारण और 2026 के लिए विशेषज्ञों का पूर्वानुमान।

भारतीय सराफा बाजार के लिए साल 2026 की शुरुआत मिश्रित रही है। जहां एक ओर सोने की कीमतों ने मजबूती के साथ नए साल का स्वागत किया, वहीं दूसरी ओर चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई है। ऑल इंडिया सराफा एसोसिएशन के आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली के बाजार में सोने की कीमतों में 640 रुपये की बढ़ोतरी देखी गई, जबकि चांदी में 1,600 रुपये की बड़ी गिरावट आई।

सोने की कीमतों में मजबूती, चांदी में मुनाफावसूली

गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी में 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने का भाव 1,38,340 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। इससे पिछले कारोबारी सत्र (बुधवार) में यह 1,37,700 रुपये पर बंद हुआ था।

इसके विपरीत, चांदी की कीमतों में लगातार दूसरे दिन गिरावट का सिलसिला जारी रहा। चांदी का भाव 2,37,400 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) पर आ गया, जो पिछले बंद भाव 2,39,000 रुपये से 1,600 रुपये कम है। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि साल 2025 की रिकॉर्ड तेजी के बाद चांदी में कुछ मुनाफावसूली देखी जा रही है।

बीता साल 2025 सोने और चांदी दोनों के लिए ऐतिहासिक रहा। आंकड़ों पर नजर डालें तो सोना ने 2025 में करीब 73.45 प्रतिशत का रिटर्न दिया। वहीं, चांदी ने सोने को भी पीछे छोड़ते हुए लगभग 164 प्रतिशत की भारी बढ़त दर्ज की।वैश्विक बाजारों का दबावअंतरराष्ट्रीय स्तर पर कीमतों में गिरावट का रुख रहा। बुधवार

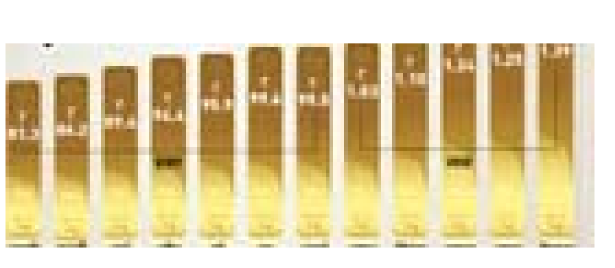

को हाजिर सोना 28 डॉलर या 0.65 प्रतिशत गिरकर 4,310.89 डॉलर प्रति औंस पर बंद हुआ। मिरै एसेट शेयरखान के कमोडिटी प्रमुख प्रवीण सिंह ने बताया, 'साल 2025 के अंतिम कारोबारी दिन अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड में सुधार के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमतें दबाव में रहीं। अल्पावधि में वैश्विक स्तर पर सोने की कीमतें एक सीमित दायरे में रहने की उम्मीद है। 'मेहता इक्विटीज के वाइस प्रेसिडेंट (कमोडिटीज) राहुल कलंत्री के मुताबिक, 2026 में सराफा बाजार की चाल मुख्य रूप से निम्नलिखित कारकों पर निर्भर करेगी। अमेरिकी केंद्रीय बैंक की ब्याज दरों को लेकर नीति और डॉलर की मजबूती या कमजोरी सबसे महत्वपूर्ण कारक होगी। दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों द्वारा सोने की निरंतर खरीदारी और ईटीएफ प्रवाह कीमतों को ढांचागत समर्थन प्रदान करेगा।विशेषज्ञों का मानना है कि चांदी के निर्यात पर चीन द्वारा लगाए गए नए प्रतिबंध वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को प्रभावित करेंगे, जिससे कीमतों में अस्थिरता आ सकती है। किसी भी प्रकार के वैश्विक तनाव की स्थिति में सुरक्षित निवेश के रूप में सोने की मांग में और इजाफा हो सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि सोने और चांदी की कीमतें वर्तमान में रिकॉर्ड ऊंचाइयों के करीब हैं। हालांकि बाजार में अस्थिरता बनी रह सकती है, लेकिन केंद्रीय बैंकों की दिलचस्पी और सुरक्षित निवेश की मांग इसे लंबी अवधि में सहारा देगी। निवेशकों को सलाह है कि वे वैश्विक आर्थिक संकेतों और डॉलर इंडेक्स की चाल पर पैनी नजर रखें।

हवाई जहाज से आधी कीमत में लग्जरी सफर, आ रही है देश की पहली वंदे भारत स्लीपर, रूट और कितना होगा किराया

नई दिल्ली ,06 जनवरी (एजेंसी)। भारतीय रेलवे यात्रियों को नए साल का बड़ा तोहफा देने जा रहा है। देश की पहली 'वंदे भारत स्लीपर क्लास' ट्रेन जल्द ही पटरियों पर दौड़ती नजर आएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले 15-20 दिनों के भीतर कोलकाता और गुवाहाटी के बीच चलने वाली इस ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि नई ट्रेन की टेस्टिंग और सर्टिफिकेशन का काम पूरा हो चुका है, अब बस औपचारिक उद्घाटन का इंतजार है।जनवरी के तीसरे हफ्ते में हो सकता है शुभारंभरेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के अनुसार, इस ट्रेन का उद्घाटन 18 या 19 जनवरी के आसपास किए जाने की संभावना है। हालांकि, पक्की तारीख की घोषणा अगले दो-तीन दिनों में कर दी जाएगी। यह ट्रेन विशेष रूप से लंबी दूरी की यात्रा को आरामदायक और सुरक्षित बनाने के लिए डिजाइन की गई है। रेल ने इसे एक बड़ी अनुभव होगा।

देश के बाहर ईडी की बड़ी कार्रवाई, लंदन में बकिंघम पैलेस के पास 150 करोड़ की संपत्ति कुर्क

नई दिल्ली ,06 जनवरी (एजेंसी)। ईडी ने 1400 करोड़ के बैंक फ्रॉड मामले में एस कुमार्स के नितिन कासलीवाल की लंदन स्थित 150 करोड़ की संपत्ति कुर्क की है। यह आलिशान घर लंदन के बकिंघम पैलेस के पास था। पूरी रिपोर्ट पढ़ें।प्रवर्तन निदेशालय ने बैंक ऋण धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में एक बड़ी सफलता हासिल की है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने प्रसिद्ध कपड़ा कंपनी 'एस. कुमार्स नेशनवाइड लिमिटेड' और इसके पूर्व सीएमडी (ष्टरूष्ठ) नितिन कासलीवाल के खिलाफ कार्रवाई करते हुए लंदन में बकिंघम पैलेस के पास स्थित 150 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति को कुर्क कर लिया है। यह कार्रवाई प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत की गई है। एजेंसी के अनुसार, यह संपत्ति नितिन शंभुकुमार कासलीवाल और उनके परिवार के सदस्यों के 'लाभकारी स्वामित्व' में है।

नितिन कासलीवाल पर भारतीय बैंकों के एक कंसोर्टियम (समूह) के साथ लगभग 1,400 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने का आरोप है। जांच में सामने आया है कि एस. कुमार्स नेशनवाइड लिमिटेड के माध्यम से बैंकों से लिए गए ऋण को गलत तरीके से विदेशी निवेश के नाम पर भारत से बाहर भेजा गया। ईडी के बयान के अनुसार, 'नितिन कासलीवाल ने बैंकों के फंड को डाइवर्ट किया और विदेशी न्यायक्षेत्रों में निजी ट्रस्टों और कंपनियों की एक जटिल संरचना के माध्यम से इन संपत्तियों को छुपाया।' एजेंसी की ओर से 23 दिसंबर को की गई छापेमारी और जब्त किए गए दस्तावेजों के विश्लेषण से एक बेहद जटिल नेटवर्क का खुलासा हुआ है। जांच में पाया गया कि कासलीवाल ने ब्रिटिश वर्जिन आइलैंड्स , जर्सी और स्विट्जरलैंड जैसे टैक्स हेवन देशों में ट्रस्टों और कंपनियों का जाल बिछाया था।प्रवर्तन निदेशालय ने बैंक ऋण धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में एक बड़ी सफलता हासिल की है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने प्रसिद्ध कपड़ा कंपनी 'एस. कुमार्स नेशनवाइड लिमिटेड' और इसके पूर्व सीएमडी (ष्टरूष्ठ) नितिन कासलीवाल के खिलाफ कार्रवाई करते हुए लंदन में बकिंघम पैलेस के पास स्थित 150 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति को कुर्क कर लिया है। यह कार्रवाई प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत की गई है। एजेंसी के अनुसार, यह संपत्ति नितिन शंभुकुमार कासलीवाल और उनके परिवार के सदस्यों के 'लाभकारी स्वामित्व' में है।नितिन कासलीवाल पर भारतीय बैंकों के एक कंसोर्टियम (समूह) के साथ लगभग 1,400 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने का आरोप है। जांच में सामने आया है कि एस. कुमार्स नेशनवाइड लिमिटेड के माध्यम से बैंकों से लिए गए ऋण को गलत तरीके से विदेशी निवेश के नाम पर भारत से बाहर भेजा गया। ईडी के बयान के अनुसार, 'नितिन कासलीवाल ने बैंकों के फंड को डाइवर्ट किया और विदेशी न्यायक्षेत्रों में से इन संपत्तियों को छुपाया।'

सरकारी कर्मचारियों की बल्ले-बल्ले, देश के इस राज्य में सबसे पहले 8वें राज्य वेतन आयोग का होगा गठन

दिसपुर ,06 जनवरी (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने राज्य के सरकारी कर्मचारियों के हित में एक बड़ा और ऐतिहासिक फैसला लिया है। मुख्यमंत्री ने घोषणा की है कि असम देश का पहला राज्य बनेगा, जो 8वें राज्य वेतन आयोग का गठन करेगा। उन्होंने इसे कर्मचारी कल्याण की दिशा में एक अहम कदम बताते हुए असम की संवेदनशील और प्रगतिशील शासन व्यवस्था का प्रतीक करार दिया। कर्मचारियों की आर्थिक सुरक्षा पर जोरमुख्यमंत्री सरमा ने कहा कि असम सरकार अपने कर्मचारियों की आर्थिक सुरक्षा, सम्मान और जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। 8वें राज्य वेतन आयोग के गठन का निर्णय इसी सोच का परिणाम है। उन्होंने स्पष्ट किया कि आयोग का उद्देश्य केवल वेतन वृद्धि तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि भत्तों, पेंशन और भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए व्यापक सिफारिशें देगा। सोशल मीडिया पर किया ऐलान मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट करते हुए लिखा, 'असम देश का पहला राज्य होगा जो 8वें राज्य वेतन आयोग का गठन करेगा। यह कर्मचारी कल्याण और प्रगतिशील शासन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।'

समय पर लागू होंगी सिफारिशें मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी राज्य की प्रगति उसके कर्मचारियों के समर्पण से जुड़ी होती है। जब कर्मचारी सुरक्षित और प्रेरित होते हैं, तो शासन व्यवस्था अधिक प्रभावी और जवाबदेह बनती है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि वेतन आयोग की सिफारिशों को समयबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा, ताकि कर्मचारियों को इसका वास्तविक लाभ मिल

वंदे भारत स्लीपर का इंतजार खत्म: गुवाहाटी-हावड़ा होगा पहला रूट, बुलेट ट्रेन की तारीख का भी हुआ एलान

नई दिल्ली,06 जनवरी (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मोदी नए साल 2026 में बंगाल और असम को नई सौगात देने वाले हैं। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव पहली जनवरी को बताया कि पीएम बंगाल को जल्द ही कोलकाता और गुवाहाटी के बीच वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। रेल मंत्री ने देश की पहली बुलेट ट्रेन की तारीख का भी एलान किया है। पढ़ें पूरी रिपोर्टभारतीय रेल यात्रियों के लिए एक बड़ी खुशखबरी है। वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का परीक्षण और प्रमाणन (सर्टिफिकेशन) प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी हो गई है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को घोषणा की कि देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन गुवाहाटी और हावड़ा (कोलकाता) के बीच चलाई जाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आने वाले कुछ ही दिनों में इस ऐतिहासिक रूट पर ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे।

रेल मंत्री ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बताया कि वंदे भारत स्लीपर ट्रेन लंबी दूरी की रात की यात्राओं के लिए डिजाइन

की गई है। यह ट्रेन यात्रियों को विश्व स्तरीय सुविधाएं, बेहतर सुरक्षा और एक आधुनिक यात्रा का अनुभव प्रदान करेगी। इसे भारतीय रेलवे के लिए एक बड़ा मील का पत्थर माना जा रहा है, जो प्रीमियम यात्रा को और सुगम बनाएगी।वंदे भारत के साथ-साथ रेल मंत्री ने देश की पहली बुलेट ट्रेन को लेकर भी बड़ी जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि 15 अगस्त 2027 को भारत को अपनी पहली बुलेट ट्रेन मिल जाएगी। वैष्णव ने मजाकिया अंदाज में कहा, 'आप अभी से बुलेट ट्रेन की टिकट खरीद लीजिए, अगले साल बुलेट ट्रेन भी आ जाएगी।' उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकार इस प्रोजेक्ट को तय समय सीमा के भीतर पूरा करने के लिए पूरी गंभीरता से जुटी हुई है।प्रोजेक्ट की प्रगति को लेकर रेल मंत्री ने बताया कि पिछले साल नवंबर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद गुजरात दौरे के दौरान मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर का निरीक्षण किया था। पीएम मोदी सूरत बुलेट ट्रेन स्टेशन पहुंचे थे, जहां उन्होंने काम की बारीकी से जांच की और वहां मौजूद इंजीनियरों व कर्मचारियों का उत्साहवर्धन किया।प्रधानमंत्री ने इस दौरान कर्मचारियों से बातचीत करते हुए कहा था कि यह प्रोजेक्ट न केवल गुजरात बल्कि पूरे देश के गर्व का विषय है। यह हाई-स्पीड ट्रेन परियोजना भारत के ट्रांसपोर्ट सिस्टम को आधुनिक बनाने में एक क्रांतिकारी कदम साबित होगी

पवन टाकीज क्रॉसिंग से हसदेव नदी पुल के बीच बिछेगी तीसरी लाइन

कभी भी हो सकती है अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई

कोरबा (छ.ग.गौरव)। पवन टाकीज क्रॉसिंग से हसदेव नदी पुल के बीच जल्द ही तीसरी रेल लाइन बिछाई जाएगी। बिजली आपूर्ति के लिए रेलवे का अपना सब-स्टेशन भी वहां बनेगा। अतिरिक्त रेल लाइन के निर्माण के साथ-साथ सभी जरूरी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। चांपा से गेवरारोड के बीच तीसरी व चौथी रेल लाइन की मंजूरी रेलवे बोर्ड से काफी पहले मिल चुकी है। तीसरी लाइन उरगा से गेवरारोड के बीच बनकर तैयार है। चौथी लाइन का काम होना है। इसके साथ ही जरूरी सुविधाएं भी विकसित करनी है। इंदिरानगर, फोकटपारा के लोगों को वहां खाली कराने के पीछे निर्माण कार्य शुरू कराना है। अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई कभी भी हो सकती है।

ढाई महीने से इस स्थान पर काबिज लोगों को नोटिस थमाने के साथ ही एक निर्धारित तिथि तक कब्जा हटाने मौका दिया जाता रहा है। इससे यह साफ हो गया कि बस्ती को खाली कराने रेलवे की मंशा क्या है। ऐसे में जिन-जिन लोगों को नोटिस दिया गया है, उनकी चिंता भी बढ़ गई है। जनप्रतिनिधी भले ही उन्हें भरोसा दिला रहे हैं, लेकिन उनका भरोसा लंबे समय तक साथ नहीं दे पाएगा। भूमि की उपयोगिता देखते हुए देर-सबेर रेलवे की ओर से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई होना भी तय है। अब संभावित परेशानियों से काबिज लोगों को स्वतः ही सचेत होना पड़ेगा। अन्यथा कार्रवाई के दौरान होने वाले नुकसान भी उन्हें ही सहना पड़ेगा। ज्ञात हो कि दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के कोरबा रेलखंड के सीनियर सेक्शन इंजीनियर, रेलपथ द्वारा कार्यालय से इंदिरानगर, फोकटपारा व कुसमुंडा में इमलीछपर बस्ती के लोगों नोटिस थमाया गया था। नोटिस की कार्रवाई के बाद नाराज बस्तीवासियों ने धरना-प्रदर्शन भी किया। वे मुआवजा और विस्थापन की मांग रेलवे से कर रहे हैं। पवन टाकीज रेलवे क्रॉसिंग के बाद इमलीछापर चौक में हुए चक्काजाम में शामिल प्रदर्शनकारी बस्तियों ने प्रशासन के आश्वासन के बाद अपना आंदोलन तो समाप्त कर दिए, पर उनके मन में उजाड़े जाने का डर बना हुआ है, क्योंकि नोटिस में उन्हें भी यह नहीं बताया गया है कि उन्हें खाली कराकर रेलवे वहां क्या करने वाला है। बस्तीवासी आपस में ही एक-दूसरे से कार्रवाई होगी या नहीं, कब होगी, ऐसी जानकारी जुटाते रहते हैं। इतना ही नहीं बस्ती में जाने वाले किसी भी अजनबी व्यक्ति को संदेह की नजर देखते हैं कि कहीं वह रेलवे का अधिकारी तो नहीं है। नई बिछने वाली तीसरी लाइन पर डब्ल्यू-एल का बोर्ड लगाया जाएगा। यह चेतावनी बोर्ड सीटी बताने का निर्देश देता है, जबकि टी-आर का बोर्ड ट्रैक के रखरखाव कार्य के कारण वास्तविक ऑपरेशन बदलाव (जैसे गति नियंत्रण या रुकना) का संकेत देता है को लगाया जाएगा। इसके लिए अतिरिक्त सावधानी और इंजीनियरिंग कर्मचारियों के निर्देशों का पालन लोको पायलट व ट्रेन मैनेजर को करना होता है। जानकारी के अनुसार कुसमुंडा के इमलीछापर में ओवरब्रिज के साथ ही रेलवे वहां अलग से यार्ड बनाएगा।

मृत गाय को ट्रैक्टर से 2 किलोमीटर दूर तक घसीटा

वीडियो सोशल मीडिया में हुआ वायरल

कोरबा (छ.ग.गौरव)। जिले में मृत गाय को सड़क पर ट्रैक्टर से 2 किलोमीटर दूर घसीटते हुए ले जाया गया। ट्रैक्टर से घसीटने का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें गाय का पूरा शरीर सड़क पर रगड़ खाता दिख रहा है।

मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र के गोढ़ी गांव का है। जानकारी के मुताबिक वीडियो किसी बाइक सवार युवक ने बनाया है। युवक ने वीडियो को सोशल मीडिया पर कर दिया। वीडियो वायरल होते ही आरोपियों के खिलाफ पशु क्रूरता अधिनियम के तहत कड़ी कार्रवाई की मांग की जा रही है। वहीं बजरंग दल ने घटना की कड़ी निंदा की है। बजरंग दल ने कहा कि कोरबा पुलिस अधीक्षक और कलेक्टर से शिकायत कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करेंगे। वीडियो में दिख रहा है कि बेरहमी से गाय को घसीटा जा रहा है। शनिवार को गाय को घसीटने का वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट हुआ। वायरल वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि एक मृत गाय को ट्रैक्टर के पीछे रस्सी से बांधकर सड़क पर घसीटा जा रहा है। ट्रैक्टर पर दो युवक सवार दिखाई दे रहे हैं, जिनमें एक ट्रैक्टर चला रहा है, जबकि दूसरा बगल में बैठा है। बताया जा रहा है कि गाय को करीब 2 किलोमीटर दूरी तक इसी तरह सड़क पर घसीटते हुए ले जाया गया। वीडियो में जिस तरह से गाय के शव को सड़क पर ले जाया जा रहा है। उसे देखकर लोग इसे अमानवीय और संवेदनहीन कृत्य बता रहे हैं। जानकारी के मुताबिक इस पूरी घटना का वीडियो वहां से गुजर रहे एक बाइक सवार युवक ने बनाया था। युवक ने यह वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया। वीडियो वायरल होते ही बड़ी संख्या में लोगों ने इस पर प्रतिक्रिया दी और घटना की निंदा की।

वीडियो वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों की अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। अधिकांश यूजर्स ने प्रशासन से तुरंत कार्रवाई की मांग की है। लोगों का कहना है कि यदि मृत पशु को हटाना ही था, तो इसके लिए मानवीय और नियमों के अनुरूप तरीका अपनाया जाना चाहिए था। बजरंग दल के संयोजक राणा मुखर्जी ने बताया कि यह मामला गोढ़ी गांव क्षेत्र का है। मृत गाय को जिस तरह से ट्रैक्टर से घसीटा गया, वह गौ माता का अपमान है। इसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कोरबा पुलिस अधीक्षक और कलेक्टर से शिकायत की जाएगी। दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की जाएगी। फिलहाल इस मामले में पुलिस कार्रवाई को लेकर कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। हालांकि वीडियो वायरल होने के बाद दबाव बढ़ गया है। उम्मीद की जा रही है कि मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ पशु क्रूरता अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

बीते पांच वर्षों में एसईसीएल की कुल 10 खदानें हुई बंद

बंद खदानों में से दो कोरबा की

कोरबा (छ.ग.गौरव)। जिले में एसईसीएल की कोयला खदानों के बंद होने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। बीते पांच वर्षों में एसईसीएल की कुल 10 कोयला खदानें बंद की जा चुकी हैं, जिनमें मध्यप्रदेश की चार और छत्तीसगढ़ की छह खदानें शामिल हैं। छत्तीसगढ़ की बंद खदानों में से दो कोरबा जिले में संचालित थीं, जिन्हें भी बंद कर दिया गया है।

जानकारी के अनुसार कोल इंडिया लिमिटेड की अनुषंगी कंपनियों की खदानें लगातार बंद हो रही हैं। पिछले पांच वर्षों में देशभर में कोल इंडिया की कुल 42 ओपनकास्ट और अंडरग्राउंड कोयला खदानें बंद की जा चुकी हैं। इनमें सबसे अधिक 18 खदानें वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड की हैं, जबकि एसईसीएल दूसरे स्थान पर है, जिसकी 10 खदानें बंद हुई हैं। एसईसीएल की बंद की गई खदानों में छत्तीसगढ़ की विश्रामपुर ओपनकास्ट, महामाया भूमिगत, महान ओपनकास्ट, पवन भूमिगत, सुराकछार भूमिगत-3 एवं 4, तथा सुराकछार भूमिगत मुख्य खान शामिल हैं। वहीं मध्यप्रदेश में जमुना आरो-1 एवं 2 भूमिगत, कपिलधारा भूमिगत, न्यू अमलाई भूमिगत और पिनोरा भूमिगत खदानों को बंद किया गया है। बताया जा रहा है कि कई वर्षों से बंद पड़ी कोयला खदानों से दोबारा कोयला उत्खनन की योजना तो बनाई जा रही है, लेकिन अब तक कोरबा जिले में एसईसीएल की किसी भी बंद खदान से पुनः कोयला उत्पादन शुरू नहीं हो सका है। कोल इंडिया और एसईसीएल प्रबंधन द्वारा बंद पड़ी भूमिगत कोयला खदानों में कंटीन्यूअस माइनर मशीन के जरिए कोयला उत्खनन की तैयारी की जा रही है। रजगामार की भूमिगत खदान में कंटीन्यूअस माइनर मशीन उतारी जा चुकी है, जिससे भविष्य में उत्पादन शुरू होने की उम्मीद जताई जा रही है। दूसरी ओर, एक-एक कर घाटे में चल रही कोयला खदानों को बंद करने का सिलसिला भी जारी है। इससे न सिर्फ कोयला उत्पादन पर असर पड़ रहा है, बल्कि स्थानीय रोजगार और अर्थव्यवस्था को लेकर भी चिंता बढ़ती जा रही है।

मेडिकल कॉलेज में 2.81 करोड़ की लागत से 62 सेमीकंडक्टर एयर स्टेरिलाइज़र यूनिट्स की होगी स्थापना

एसईसीएल ने किए 11.87 करोड़ के 4 सीएसआर एमओयू

कोरबा (छ.ग.गौरव)। एसईसीएल ने अपने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) कार्यक्रम के अंतर्गत छत्तीसगढ़ में सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं, प्रारंभिक बाल विकास तथा परियोजना-प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षित पेयजल उपलब्धता को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से लगभग 11.87 करोड़ की कुल लागत वाले विभिन्न समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। एमओयू पर हस्ताक्षर एसईसीएल मुख्यालय में निदेशक (मानव संसाधन) बिरंची दास के मार्गदर्शन में किए गए।

स्वास्थ्य क्षेत्र में सीएसआर हस्तक्षेप के तहत, एसईसीएल द्वारा अत्याधुनिक सेमीकंडक्टर आधारित एयर स्टेरिलाइजेशन तकनीक के माध्यम से प्रमुख शासकीय अस्पतालों में संक्रमण नियंत्रण, इनडोर एयर क्वालिटी एवं रोगी सुरक्षा को बेहतर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। स्व. बिसाहू दास महंत स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं चिकित्सालय कोरबा में 2.81 करोड़ की लागत से 62 सेमीकंडक्टर एयर स्टेरिलाइज़र यूनिट्स स्थापित की जाएंगी। ये यूनिट्स ऑपरेशन थिएटर, आईसीयू, एमआईसीयू, एनआईसीयू, पीआईसीयू, लेबर रूम, टीबी वार्ड, बर्न वार्ड सहित अन्य संवेदनशील क्षेत्रों में लगाई जाएंगी, जिससे स्वच्छता, संक्रमण नियंत्रण एवं चिकित्सा कर्मियों की कार्यस्थल सुरक्षा में उल्लेखनीय सुधार होगा। इसी क्रम में कुमार साहब स्वर्गीय दिलीप सिंह जूदेव शासकीय सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, बिलासपुर में 3.49 करोड़ की लागत से 77 सेमीकंडक्टर एयर स्टेरिलाइज़र यूनिट्स स्थापित की जाएंगी, जिससे ऑपरेशन थिएटर, आईसीयू, एमआईसीयू, डायलिसिस यूनिट्स सहित अन्य उपचार कक्षों में रोगी सुरक्षा एवं स्वच्छता मानकों को और सुदृढ़ किया जाएगा। एसईसीएल ने श्रृष्टि सेवा समिति, उदयपुर (राजस्थान) के साथ 4.72 करोड़ की लागत से बिलासपुर जिले में 200 मॉडल आंगनबाड़ी केंद्रों के विकास के लिए एमओयू किया है। इस परियोजना के अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्रों का आधुनिकीकरण, स्वच्छता सुविधाओं का विकास, फर्नीचर एवं बाल अनुकूल शिक्षण वातावरण उपलब्ध कराया जाएगा। सामुदायिक कल्याण की दिशा में, एसईसीएल ने सीपेट, रायपुर के साथ गेवरा क्षेत्र के परियोजना-प्रभावित गांवों में 30 लीटर क्षमता के 3,989 घरेलू वाटर फिल्टर सेट एवं वाटर ट्रीटमेंट किट के वितरण हेतु 84.73 लाख की लागत से एमओयू किया है। सभी समझौते एसईसीएल की ओर से महाप्रबंधक (सीएसआर) सीएम वर्मा द्वारा निष्पादित किए गए। इस अवसर पर सीएसआर विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एवं संबंधित संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कोल इंडिया के अधिकारियों के लिए खुशखबरी

ग्रेच्युटी में 25 फीसदी की बढ़ोतरी, सेवानिवृत्त कर्मियों को मिलेगा एरियर

कोरबा (छ.ग.गौरव)। कोल इंडिया प्रबंधन ने ग्रेच्युटी की सीमा में 25 प्रतिशत की है। बढ़ी ग्रेच्युटी का लाभ अधिकारी वर्ग को मिलेगा। कोल इंडिया मुख्यालय से जारी कार्यालय आदेश के अनुसार ग्रेच्युटी की सीमा 20 लाख रुपए से बढ़ाकर 25 लाख रुपए की गई है।

कार्यालय आदेश में उल्लेखित किया गया है कि डीपीई वेतन पुनरीक्षण दिशानिर्देश, 2017 के क्रियान्वयन में निर्गत कोल इंडिया के आठ अगस्त 2018 के अनुसरण में तथा औद्योगिक महंगाई भत्ता एक अक्टूबर 50 प्रतिशत से अधिक (51.8 प्रतिशत) हो जाने के फलस्वरूप, कोल इंडिया एवं इसकी अनुषंगी कंपनियों के अधिकारियों एवं गैर-संघीकृत पर्यवेक्षकों को देय ग्रेच्युटी की विद्यमान अधिकतम सीमा में 25 प्रतिशत की वृद्धि करते हुए, ग्रेच्युटी की अधिकतम सीमा को दिनांक एक अक्टूबर से संशोधित किया जाता है। इससे करीब 17 हजार कोल अधिकारियों को इसका लाभ मिलेगा। वहीं दूसरी तरफ एक अक्टूबर के बाद सेवानिवृत्त हुए अधिकारियों को इसका एरियर भुगतान किया जाएगा। कर्मचारियों ने भी इसका लाभ देने को लेकर मांग उठाई है। प्रबंधन पूरे नियम के तहत सारी सुविधा देगी।

कामगारों की ग्रेच्युटी भी बढ़े: एचएमएस नेता

कोल इंडिया लिमिटेड के अधिकारी वर्ग की ग्रेच्युटी सीमा में बढ़ोतरी का आदेश आते ही कामगारों को भी इसका लाभ दिलाने की मांग उठाई गई है। हिंद मजदूर सभा (एचएमएस) के नेता और सीआईएल जेबीसीसीआई सदस्य शिवकुमार यादव ने कहा कि एग्जीक्यूटिव और नॉन-एग्जीक्यूटिव को एक सामान ग्रेच्युटी का लाभ मिलना चाहिए। चूंकि एग्जीक्यूटिव वर्ग के औद्योगिक महंगाई भत्ते की सीमा 50 प्रतिशत से अधिक (51.8 प्रतिशत) हो जाने के कारण सीआईएल प्रबंधन ने ग्रेच्युटी में 25 प्रतिशत की बढ़ोतरी करते हुए इसे 25 लाख रुपए कर दिया है। अधिकारी वर्ग का वेतन समझौता 10 साल के लिए होता है। इसलिए, उनका औद्योगिक महंगाई भत्ता 50 प्रतिशत को पार कर गया है। एचएमएस नेता श्री यादव ने कहा कि कोयला मंत्री को चाहिए कि वे ग्रेच्युटी एक्ट के नोटिफिकेशन में संशोधन कराएं और कामगारों को भी अधिकारी वर्ग की तरह बढ़ी हुई ग्रेच्युटी का लाभ दिलाएं। यदि ऐसा नहीं होता है तो यह कोयला कामगारों के साथ अन्याय है। यहां बताना होगा कि अब तक एग्जीक्यूटिव और नॉन-एग्जीक्यूटिव को 20- 20 लाख रुपए की ग्रेच्युटी का लाभ मिल रहा था। 5 जनवरी, 2026 को जारी आदेश के बाद कोल इंडिया के एग्जीक्यूटिव को 25 लाख रुपए ग्रेच्युटी का लाभ मिलेगा।

सिद्धू ने लिखा था पत्र

हिन्द मज़दूर सभा के राष्ट्रीय महामंत्री तथा हिन्द खदान मज़दूर फेडरेशन के महामंत्री हरभजन सिंह सिद्धू ने नवम्बर, 2025 को केंद्रीय कोयला मंत्री को पत्र लिखा था। इस पत्र में स्टील अथॉरिटी ऑफ़ इण्डिया सेल की तरह कोल इंडिया के कर्मचारियों- अधिकारियों को भी ग्रेच्युटी की बढ़ी हुई राशि 25 लाख का लाभ दिलाने के लिए हस्तक्षेप करने का आग्रह किया था।

हाथी मानव द्वंद रोकने किया गया जागरूक

एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

कोरबा (छ.ग.गौरव)। वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मानव-हाथी द्वंद्व प्रबंधन विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन हाथी नियंत्रण केंद्र चोटिया वन परिक्षेत्र केंदई में किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य हाथियों से जनहानि शून्य तथा मानवों से हाथी हानि शून्य सुनिश्चित करना रहा।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के के बिसेन सदस्य सीपीईएमसी (प्रोजेक्ट टाइगर एवं हाथी डिवीजन) भारत सरकार उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता वनमण्डल अधिकारी कुमार निशांत द्वारा की गई।

इस अवसर पर सहायक वन संरक्षक यामिनी पोर्ते, वन परिक्षेत्र अधिकारी केंदई अभिषेक कुमार दुबे, वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, हाथी मित्र दल के सदस्य तथा स्थानीय ग्रामीणजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों की भी सक्रिय सहभागिता रही, जिनमें भारत सिंह सिदार जनपद सदस्य, क्षेत्र क्रमांक-06, लाल बहादुर सरपंच ग्राम पंचायत लाद, जवाहर सिंह सरपंच ग्राम पंचायत परला, प्यारो बाई सरपंच ग्राम पंचायत चोटिया एवं अन्य सरपंच प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे। कार्यशाला में मानव-हाथी द्वंद्व की वर्तमान स्थिति, उसके कारणों, हाथियों के विचरण मार्ग, प्रारंभिक चेतावनी तंत्र, त्वरित प्रतिक्रिया दल की भूमिका तथा जन-जागरूकता कार्यक्रमों पर विस्तृत चर्चा की गई। वक्ताओं द्वारा यह स्पष्ट किया गया कि मानव-हाथी द्वंद्व प्रबंधन का उद्देश्य मानव एवं हाथियों के सुरक्षित सहअस्तित्व को सुनिश्चित करना है। अंत में सभी सहभागियों से समन्वित प्रयासों के माध्यम से जनहानि शून्य के लक्ष्य को प्राप्त करने का आह्वान करते हुए कार्यक्रम का समापन किया गया।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक किशोर शर्मा द्वारा कावेरी प्रिंटर्स, सी-35, प्रेस काम्पलेक्स टी.पी. नगर कोरबा (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित संपादक किशोर शर्मा, पंजीयन क्रमांक 7585/61 फोन नं. 07759-357623